Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 195
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,13 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 आरोपी शिवम मिश्रा को जमानत पुलिस की रिमांड

4 क्या वीगन डाइट सबके लिए सही है? जानें इस

7 बिग बॉस 14 फेम निक्की तंबोली के नाम पर

फ्रांस के साथ बड़ी डिफेंस डील को मंजूरी

सेना की बढ़ेगी ताकत : 114 राफेल और 6 P-8कविमान खरीद को मंजूरी

3.25 लाख करोड़ रुपये का है रक्षा सौदा

नई दिल्ली: रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 6 ढ-8कसमुद्री विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है। 3.25 लाख करोड़ रुपये के इस सौदे से वायुसेना और नौसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा होगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

देश की सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी ने एक ऐतिहासिक खरीद को मंजूरी दी है। परिषद ने भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों और नौसेना के लिए 6 P-8कपोसीडॉन समुद्री निगरानी विमानों की खरीद के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद योजनाओं में से एक माना जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। वायुसेना को मिलेंगे 6 से 7 नए स्क्वाड्रन इस सौदे का सबसे अहम पहलू वायुसेना की गिरती स्क्वाड्रन संख्या को संभालना है। 114 नए राफेल विमानों के शामिल होने से भारतीय वायुसेना को 6 से 7 नए स्क्वाड्रन मिलेंगे। वर्तमान में वायुसेना के पास लगभग 30 स्क्वाड्रन हैं, जबकि देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता है। डीएसी की मंजूरी मिलने के बाद अब यह प्रस्ताव अंतिम स्वीकृति के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास भेजा जाएगा।

वायुसेना को मिलेंगे 6 से 7 नए स्क्वाड्रन

नौसेना की समुद्री निगरानी भी होगी मजबूत आसमान के साथ-साथ समंदर में भी भारत की निगरानी क्षमता बढ़ने वाली है। डीएसी ने नौसेना के बेड़े में 6 नए P-8क एयरक्राफ्ट जोड़ने को मंजूरी दी है। भारतीय नौसेना पहले से ही 12 P-8कविमानों का संचालन कर रही है। इन नए विमानों के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) क्षमता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

निशिकांत दुबे ने लोकसभा में पेश किया प्रस्ताव

राहुल गांधी की सांसदी हो रद्द, जीवन भर चुनाव लड़ने पर भी लगे रोक

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ "विशिष्ट प्रस्ताव" लाने के लिए एक नोटिस दिया है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की सदन की सदस्यता रद्द करने और उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की मांग की है। संसद परिसर में एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए दुबे ने कहा कि उन्होंने अपने नोटिस में कहा है कि कैसे नेता प्रतिपक्ष विदेश जाते हैं और भारत विरोधी तत्वों के साथ सांठगांठ करते हैं। विशिष्ट प्रस्ताव का नोटिस स्वतंत्र होता है, जिसे सदन की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाता है, और जिसे किसी फैसले या राय को दर्शाने के लिए तैयार किया जाता है। दुबे ने कहा, "कोई विशेषाधिकार हनन नोटिस नहीं दिया है। मैंने एक विशिष्ट प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस दिया है।" उन्होंने कहा, "मैं उनकी तरह नियम-कानून की हत्या करने वाला नहीं हूं। मैंने एक विशिष्ट प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया है, जिसमें यह जिक्र किया गया है कि कैसे ये (राहुल) सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएड के साथ मिलकर थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, अमेरिका जाते हैं और किस तरह भारत विरोधी ताकतों के साथ मिले हुए रहते हैं।" भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने और उन्हें चुनाव लड़ने से आजीवन प्रतिबंधित करने की भी मांग की।

सार संक्षेप

सारंग के हमले में दिव्यांग हुआ घायल,5 लोगों ने भागकर बचाई जान

बहराइच,(संवाददाता)। जिले के दरगाह थाना क्षेत्र में सारंग के झुंड ने घर के बाहर बैठे लोगों पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में एक दिव्यांग युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पांच अन्य लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महराजगंज ग्राम निवासी दर्शन नामक युवक ने बताया कि उसका दिव्यांग भाई दिनेश और गांव के पांच अन्य लोग घर के बाहर बैठे थे। तभी अचानक सारंग के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। अन्य लोग मौके से भागने में सफल रहे, लेकिन चलने में असमर्थ होने के कारण दिनेश झुंड की चपेट में आ गया और घायल हो गया। उसकी चीख सुनकर परिजन और अन्य ग्रामीण बाहर निकले, जिसके बाद उसकी जान बचाई जा सकी। घायल दिनेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है।

किरेन रिजिजू के दावे का प्रियंका ने दिया जवाब, कहा, हमने गाली नहीं दी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में कांग्रेस के सांसदों की ओर से हंगामा किए जाने का मामला शांत होता नहीं दिख रहा है। एक बार फिर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस के सांसदों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हम इतने साल विपक्ष में रहे लेकिन कभी ऐसा नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमने अपने सांसदों को खुली छूट दी होती तो वहां महाभारत छिड़ जाता। जबकि गाली देने के आरोप का जवाब देते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा करते हुए कहा कि हमने गाली नहीं दी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पीकर के चैंबर में विपक्षी सांसदों के हंगामे पर निराशा जताते हुए घटना का वीडियो पोस्ट कर कहा कि अगर हमने भाजपा और एनडीए के सांसदों को खुली छूट दी होती तो वहां महाभारत हो जाता और यह अच्छा नहीं लगता। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने वहां पर गाली भी दी। किरेन रिजिजू ने कहा कि हमने भी संयम के साथ काम किया। हम कांग्रेस की तरह इस तरह का बर्ताव नहीं कर सकते। हम आशा करते हैं कि ये लोग अब सुधर जाएंगे। हम भी इतने साल विपक्ष में रहे हैं, लेकिन हमने कभी ऐसा नहीं किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्षी सांसदों की ओर से यह भी कहा गया कि पीएम (नरेंद्र मोदी) सदन में आएंगे तो देखना क्या करते हैं।

पीएम मोदी ने बताया गेमचेंजर

केंद्रीय बजट 2026-27 में एमएसएमई, स्किलिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर :

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे भारत के 'आर्थिक परिवर्तन' का ब्लूप्रिंट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सुधारों, छोटे उद्योगों, कौशल विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान देता है और देश को नई विकास दिशा प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, लोकसभा में अपने भाषण में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि इस वर्ष का बजट हमारे राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन में कैसे योगदान देगा। उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस, लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन, कौशल विकास, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और अन्य बातों पर जोर दिया। बीते 1 फरवरी को संसद में पेश किए गए इस बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) पर विशेष फोकस रखा गया है, जो देश की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है और 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। वित्त मंत्री ने एमएसएमई के लिए कर्ज की उपलब्धता बढ़ाने, नियमों को सरल बनाने और लक्षित प्रोत्साहन देने की घोषणा की है, ताकि छोटे उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ सकें और विस्तार कर सकें। उन्होंने कहा कि एमएसएमई भारत की विकास यात्रा की रीढ़ हैं और यह बजट उन्हें नवाचार और रोजगार सृजन के लिए आवश्यक सहयोग देगा। कौशल विकास और रोजगार सृजन भी बजट की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार ने ग्रीन एनर्जी, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल तकनीक जैसे उभरते क्षेत्रों के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित करने की नई पहल का प्रस्ताव रखा है। उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच साझेदारी को भी बढ़ावा देने की योजना है, ताकि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी सरकार ने अगली पीढ़ी की परियोजनाओं पर जोर दिया है। डिजिटल कनेक्टिविटी, नवीकरणीय ऊर्जा कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और शहरी विकास में निवेश बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और शिक्षा को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है। इन क्षेत्रों में बजट बढ़ाने और सुधारों के जरिए दूरदराज व पिछड़े इलाकों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह बजट ऐसे समय में आया है जब वैश्विक अनिश्चितताओं और बदलती सप्लाई चेन के बीच भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। सरकार ने विकासोन्मुख खर्च के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन पर भी जोर देने की बात दोहराई है।

रांची डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल मिलते ही अलर्ट पर पुलिस और बॉम्ब स्क्वॉड तैनात

रांची। रांची में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सिविल कोर्ट को धमकी मिलने के बाद अब समाहरणालय (डीसी ऑफिस) को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गए हैं। रांची के समाहरणालय को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए दी गई है।

जैसे ही इसकी जानकारी प्रशासन को मिली, पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी और सुरक्षा बढ़ा दी। मौके पर बम निरोधक दस्ता (बॉम्ब स्क्वॉड), डॉग स्क्वॉड और पुलिस की टीम पहुंच गई। समाहरणालय के हर कमरे, दफ्तर और आसपास के इलाके की सघन जांच की जा रही है। किसी भी संदिग्ध वस्तु की तलाश में तलाशी अभियान जारी है। मुख्य गेट पर सख्त जांच की जा रही है। बिना जांच के किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पुलिस अधिकारी खुद मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। आसपास के क्षेत्रों में भी गश्त बढ़ा दी गई है। धमकी की खबर फैलते ही कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया।

हालांकि प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि स्थिति नियंत्रण में है। इधर, पुलिस की साइबर सेल टीम धमकी भरे ईमेल की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ईमेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर जांच जारी है।

ये डील वो डाल है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा; ये अदृश्य जंजीर है:अखिलेश

लखनऊ: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक कथित डील को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह डील खेती, रोजगार और कारोबार के खिलाफ है और देश को परनिर्भर बना रही है। स्वदेशी का नारा देने वालों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने भाजपा की नीतियों को आड़े हाथों लिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को एक वीडियो अकाउंट पर शेयर किया। उसके साथ लिखा- ये डील वो डाल है, जिसको उस पर बैठनेवाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ खेती-मजदूरी ही नहीं बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोजगार के खिलाफ है। ये डील वो डाल है, जिसको उस पर बैठनेवाला ही

काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ. खेती-मजदूरी ही नहीं बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोजगार के खिलाफ है। ये वो अदृश्य जंजीर है जो पैसे के लालच में डूबे बिचौलियों की मानसिकतावाले खुदगर्ज.भाजपाइयों को दिख उन्होंने लिखा- ये वो अदृश्य जंजीर है जो पैसे के लालच में डूबे बिचौलियों की मानसिकतावाले खुदगर्ज भाजपाइयों को दिख नहीं रही है। जिन्होंने पहले हमारे लोगों को साक्षात जंजीर में बांधकर भेजा था वो अब उन्होंने डील का जाल फेंककर भाजपा सरकार को मजबूर कर दिया है। अब भाजपा के वो संगी-साथी कहां भूमिगत हो गये हैं जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता जगह भाजपाइयों को परनिर्भरता का नारा अपना लेना चाहिए।

अजित पवार के विमान हादसे पर सवाल :

संजय राउत का केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर निष्पक्ष जांच न करने का आरोप

महाराष्ट्र : अजित पवार विमान हादसे पर सियासत तेज, संजय राउत ने जांच एजेंसियों पर सवाल उठाए और रोहित पवार के षड्यंत्र आरोपों का समर्थन किया। शिंदे से गंभीर जांच की मांग करते हुए निष्पक्षता पर संदेह जताया।

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने जांच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार के 'षड्यंत्र' और 'तोड़फोड़' के आरोपों का भी समर्थन किया। पत्रकारों से बात करते हुए

संजय राउत ने केंद्र और राज्य की जांच एजेंसियों को घेरते हुए कहा, इस राज्य और देश की जांच एजेंसियां समझौता कर चुकी हैं। चाहे ईडी हो, सीबीआई हो, आईबी हो या राज्य पुलिस, जनता का इन पर से भरोसा उठ चुका है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र सरकार के समय में बड़े मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं होती। सरकार अपने लोगों को बचाने के लिए जांच में पक्षपा करती है। उन्होंने कहा कि जो विमान हादसे का शिकार हुआ था वह गुजरात से आया था, जिससे लोगों के मन में संदेह पैदा हुआ है। जिस विमान में अजित दादा सवार थे, वह भी गुजरात से आया था। अहमदाबाद विमान हादसे को देखिए, लगभग 300 लोग मारे गए, लेकिन उसकी जांच का क्या हुआ? कोई बता सकता है कि वह विमान कैसे गिरा? राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी अपील की कि वे रोहित पवार के आरोपों को गंभीरता से लें और उन्हें राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज न करें। रोहित पवार तथ्यों के साथ विस्तृत जानकारी रख रहे हैं। अगर अजित दादा के निधन पर शोक सच्चा है, तो शिंदे को रोहित पवार और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक बुलानी चाहिए। एजेंसियां काम कर रही हैं, जैसे सच से बचने का तरीका है।

घुसखोर पंडत पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

किसी वर्ग को इस तरह के शीर्षक से अपमानित नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्घुसखोर पंडतश् शीर्षक पर अप्रसन्नता जताते हुए फिल्म निमार्ता नीरज पांडे से बृहस्पतिवार को कहा कि आप इस तरह के शीर्षक का उपयोग करके समाज के किसी वर्ग का अपमान नहीं कर सकते। उच्चतम न्यायालय ने ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने फिल्म के खिलाफ दायर याचिका पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और पांडे को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, इस तरह के शीर्षक का इस्तेमाल करके आप समाज के एक वर्ग को अपमानित क्यों कर रहे हैं? यह नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के विरुद्ध है। जब तक आप हमें बदला हुआ शीर्षक नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज करने की अनुमति नहीं देंगे। न्यायालय ने पांडे को यह हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया कि फिल्म घुसखोर पंडत समाज के किसी भी वर्ग को अपमानित नहीं करती। इस मामले में आगे की सुनवाई 19 फरवरी को होगी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह फिल्म जाति एवं धर्म आधारित रूढ़िवादिता को बढ़ावा देती है और सार्वजनिक व्यवस्था, सांप्रदायिक सद्भाव और संवैधानिक मूल्यों के लिए खतरा है।

पुणे में बंगाली मजदूर सुखन महतो की हत्या

घृणात्मक अपराध; गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की:सीएम ममता

कोलकाता : पुणे में 24 वर्षीय बंगाली प्रवासी सुखन महतो की हत्या पर ममता बनर्जी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे भाषा और पहचान के आधार पर किया गया घृणात्मक अपराध बताया। सीएम ने कहा कि ऐसा माहौल बनाया जा रहा है जहां बाहरी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। महाराष्ट्र के पुणे में एक बंगाली प्रवासी मजदूर की हत्या मामले में सियासत तेज हो गई है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और इसे भाषा और पहचान के आधार पर होने वाला घृणात्मक अपराध बताया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस घटना का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि वे इस क्रूर हत्या से स्तब्ध

और गुस्से में हैं। बता दें कि 24 वर्षीय मृतक सुखन महतो बंगाल के पुरुलिया जिले के बंडवान के रहने वाले थे और अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। ममता बनर्जी ने कहा कि एक युवक को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों के कारण मारा गया। सीएम ने आगे इस बात पर जोर दिया कि यह घृणात्मक अपराध सीधे उस माहौल का नतीजा है, जिसमें विदेशियों और अन्य राज्यों के लोगों के खिलाफ झूठे भय को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। पीड़ित परिवार के साथ बंगाल सरकार- सीएम ममता बनर्जी ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि बंगाल इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ा है और न्याय दिलाने के लिए हर प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है जब बंगाली प्रवासी मजदूरों के खिलाफ अन्य राज्यों में हिंसा हुई है और उन्होंने केंद्र सरकार पर भी लगातार इस मामले में चुप्पी बरतने का आरोप लगाया है। सुखन महतो हत्या मामला पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुखन महतो 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। वे कोरेगांव भीमा के सनातबाड़ी क्षेत्र में एक कार पार्ट्स बनाने वाली कंपनी में कार्यरत थे। बुधवार दोपहर उनका शव शिकरपुर थाना क्षेत्र से बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें बंगाली बोलने के कारण पीटा गया और मार दिया गया। उनके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने इस संबंध में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

आरोपी शिवम मिश्रा को जमानत पुलिस की रिमांड अर्जी खारिज 20 हजार के मुचलके पर रिहाई

कानपुर। कानपुर में लैंबोर्गिनी कांड में पुलिस ने चार दिन के बाद कारोबारी के बेटे और मुख्य आरोपी शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। शिवम को पुलिस ने उसके घर से पकड़ा। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में हुए लैंबॉर्गिनी केस में आरोपी तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस हफ्ते की शुरूआत में श्क्ढ रोड पर हुए हाई-प्रोफाइल लैंबॉर्गिनी हादसे के मामले में आरोपी शिवम को गिरफ्तार किया है, हादसे में कई लोग घायल हो गए थे। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि 35 साल के आरोपी को मेडिकल परीक्षण के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। 10 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की एक लैंबॉर्गिनी रेवुएल्टो ने रविवार दोपहर करीब तीन बजे ग्वालटोली इलाके में पैदल चलने वालों और गाड़ियों को टक्कर मार दी थी। हादसे में घायल हुए 18 साल के ई-रिक्शा ड्राइवर

मोहम्मद तौफीक ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, आरोपी के वकील ने बाद में दावा किया कि तौफीक कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं था। बुधवार को इस मामले में नया मोड़ तब आया जब मोहन नाम के एक आदमी ने खुद को कार का ड्राइवर बताते हुए कहा कि एक्सीडेंट के समय शिवम मिश्रा नहीं, बल्कि वह कार चला रहा था। हालांकि, पुलिस ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि जांच के दौरान मिले सबूतों से यह साफ हो गया है कि जब कार ने बिजी रोड पर पैदल चलने वालों और दूसरी गाड़ियों को टक्कर मारी, तो शिवम मिश्रा ही कार चला रहा था। कानपुर में वीआईपी रोड पर रविवार दोपहर तंबाकू कारोबारी के बेटे ने अपनी लैंबोर्गिनी कार से फरार्टा भरते समय ऑटो, बुलेट में टक्कर मार दी। इसके बाद खुद भी बेकाबू होकर कार फुटपाथ पर चढ़ गई। कार की चपेट में आने से वाहन सवारों समेत चार लोग घायल हो गए। लोगों ने कार को घेर लिया तभी लैंबोर्गिनी के पीछे चल रही कार से आए बाउंसरों ने लोगों को धक्कामुक्की कर हटाया। कार का शीशा तोड़कर चालक को बाहर निकालने के बाद निजी अस्पताल भेजा। चालक को दौरा आने के कारण हादसा होने का दावा किया जा रहा है। आर्यनगर निवासी केके मिश्रा तंबाकू के बड़े कारोबारी हैं। उनके बेटे शिवम रविवार दोपहर अपनी लैंबोर्गिनी कार से ग्रीन पार्क की ओर जा रहे थे। अचानक रिंग वाले चौराहे के पास कार बेकाबू हो गई। सड़क किनारे खड़ी ऑटो, बुलेट में टक्कर मारने के बाद फुटपाथ पर चढ़ गई। फुटपाथ पर खड़े होकर दोस्त का इंतजार कर रहे चमनगंज निवासी तौफीक अहमद के पैर में चोट आई है। वहीं, बुलेट सवार खलासी लाइन निवासी विशाल त्रिपाठी और सोनू त्रिपाठी जख्मी हो गए। हादसे के बाद लक्जरी कार और घायलों को देखने वालों की भीड़ जुट गई। क्षेत्रीय लोगों ने कार को घेर लिया। तभी लैंबोर्गिनी कार सवार के सुरक्षाकर्मियों ने चालक को कार से बाहर निकालने की कोशिश की तो लोगों ने विरोध किया और पुलिस को सूचना दी। इस बीच सुरक्षा कर्मियों ने ईंट से कार का शीशा तोड़कर चालक को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला और अस्पताल ले गए। लोग कार की फोटो और वीडियो बना रहे थे। कुछ सुरक्षा कर्मियों ने कार मालिक की पहचान छिपाने के लिए नंबर प्लेट तोड़ने की कोशिश की। वहीं, सूचना पर पहुंची ग्वालटोली पुलिस घायल तौफीक को उर्सला भेजा और लक्जरी कार को ग्वालटोली थाने ले गई। लेम्बॉर्गिनी कार एक्सीडेंट केस में डीसीपी सेंट्रल कानपुर अतुल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमें सूचना मिली थी कि शिवम मिश्रा कानपुर में है। पांच टीमें गठित की गईं और हमने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया गया है। जांच में पाया गया है कि हादसे के समय कार शिवम मिश्रा ही चला रहा था।

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट के आदेश पर छह पर प्राथमिकी

बस्ती। न्यायालय के आदेश पर लालगंज पुलिस ने प्रधान पुत्र की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ बलवा, मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। लालगंज ने पुलिस को दी तहरीर में रजत कुमार निवासी पगार खास ने बताया कि उनकी माता जानकी देवी ग्राम पंचायत पगार खास की प्रधान हैं। उनका गांव के महेंद्र कुमार यादव कुछ सहयोग करते हैं। इसी बात की रंजिश में गांव के ही शंभू यादव, हरीराम यादव, रामू यादव, रामचन्दर, सुनील यादव निवासी पगार खास, श्यामचंद्र चौधरी निवासी बरोहिया कला ने 11 दिसंबर 2025 को शाम उस समय मारापीटा। इस दौरान कुछ लोगों ने बीच बचाव किया। उन्होंने मारपीट का वीडियो क्लिप भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। आरोप है कि लालगंज पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो उसने कोर्ट की शरण ली।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

नगर बाजार। थाना क्षेत्र के ग्राम गोटवा में ब्रह्मभोज में शामिल होकर पैदल ही घर रहे रहे 65 वर्षीय बुजुर्ग को बुधवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे उनकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम गोटवा के राम अवध गांव में ही एक युवक के घर सड़क की दूसरी लेन में ब्रह्मभोज में शामिल होने गए थे। भोजन कर वह पैदल ही सड़क पार कर घर जा रहे थे। इसी बीच अयोध्या की तरफ से बस्ती की ओर जा रहे बेकाबू वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। थाना प्रभारी नगर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि बुजुर्ग की मौत की सूचना मिली है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एक ही रात में तीन दुकानों में चोरी

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बस्ती-बांसी मार्ग के गौरा चौराहे पर मंगलवार की देर रात में अज्ञात चोरों ने दो दुकानों का ताला तोड़कर व एक दुकान के छत की पीओपी तोड़ कर चोर लाखों रुपये के सामान चुरा ले गए। बुधवार की सुबह जब दुकानदार अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो छत में लगा सेंध देख उनके होश उड़ गए। दुकानदारों ने डायल 112 व स्थानीय पुलिस को फोन कर मौके पर बुलाया। थाना क्षेत्र के पड़िया तकियवां गांव निवासी इरफान अहमद की गौरा चौराहे पर मोबाइल की दुकान है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दुकान बंद कर वह घर चले गए। इसके दो दुकान के वाद पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव निवासी संगम त्रिपाठी के मेडिकल स्टोर का भी ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया गया। वहीं रुधौली थाना क्षेत्र के दुदरांक्ष गांव निवासी आकाश चौधरी का इलेक्ट्रिक स्कूटी की एजेंसी हैं। इनके एजेंसी के छत का सीलिंग तोड़कर एक बल्ली के सहारे चोर घुस गए। स्कूटी की दस बैटरी चोर चुरा ले गए। वहीं इरफान मोबाइल सेंटर से की-पैड मोबाइल, ब्लूटूथ, नेकबैंड, चार्जर, इयर फोन, कस्टमर के रिपेयरिंग की मोबाइलें, स्पीकर साउंड, लैपटाप, पेस्टिंग मशीन, तीन कैमरे का डीबीआर, 5-6 हजार रुपये नकदी आदि चुरा ले गए। वहीं संगम त्रिपाठी के मेडिकल स्टोर के शटर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर फरार हो गया। वाल्टरगंज के थानेदार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

बस्ती में खुलेगा स्पोर्ट्स कॉलेज

बस्ती। प्रदेश सरकार के आम बजट में खिलाड़ियों को खास तोहफा मिला है। सभी मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना होगी। बस्ती भी इससे लाभान्वित होगा। इसकी कवायद पहले से ही चल रही है। सरकार ने इस प्रस्ताव को अपने बजट में शामिल कर यहां स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। इसके लिए 50 एकड़ भूमि की तलाश भी हो रही है। स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना से इस अंचल के खिलाड़ियों को निखरने का बड़ा अवसर मिलेगा। उन्हें एक ही परिसर में खेल ग्राउंड, नियमित प्रशिक्षण के साथ पढ़ाई की पूरी सुविधा मिलेगी। अन्य महानगरों की तरह बस्ती भी खेल जगत में नई प्रतिभाओं को तराश कर भेजेगा। अभी तक यहां क्षेत्रीय स्तर का अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम ही है। इस साल यहां 27 बच्चों के लिए छात्रावास की भी स्थापना हुई है। अब इस स्टेडियम से अलग स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना होगी तो खिलाड़ियों की चहलकदमी यहां बढ़ जाएगी।

दबिला घाट से कुआनो नदी में गिरा युवक

महादेवा। लालगंज थाना क्षेत्र के महसो स्थित दबिला घाट के पुल से कुआनो नदी में गिरकर एक युवक की मौत हो गई। युवक का शव बुधवार की सुबह मंदिर के पुजारी ने देखा। 40 वर्षीय युवक का नाम दीपक बताया जा रहा है, मगर यह पता नहीं चल पाया है कि वह कहां का रहने वाला है। पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखा दिया है। जानकारी के अनुसार युवक का शव नदी में उतराया होने की सूचना मिलते ही महसो के चौकी प्रभारी अनस अख्तर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव की पहचान कराने की कोशिश की, मगर कामयाबी नहीं मिल पाई। लोगों ने बताया कि युवक का दीपक है, मगर कहां का रहने वाला है, यह जानकारी नहीं दे पाए। वह करीब 10 साल से महसो स्थित राजा मैदान में झाड़ू लगाने का काम करता था। बदले में स्थानीय लोग उसे कुछ आर्थिक सहायता दे देते थे। इससे उसका भरण-पोषण होता था। लोगों ने बताया कि वह नशे का आदी था। प्राथमिक आशंका जताई जा रही है कि दीपक नशे की हालत में पुल पर पहुंचा और संतुलन बिगड़ने से नीचे पानी में गिर गया। रुधौली के सीओ कुलदीप यादव ने बताया कि युवक नदी में कैस गिरा इसकी जांच की जा रही है।

ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती । बुधवार को सिंचाई विभाग ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्री मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा। ज्ञापन में संगणक से सहायक अभियन्ता सिविल पद पर वर्षों से लंबित उत्पन्न बाधाओं को दूर कराकर पदोन्ति कराने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन में ड्रांइग संवर्ग के पदों का पुर्नगठन, अवर अभियंता की भांति ग्रेड पे वेतनमान देने, ड्रांइग संवर्ग के कार्मिकों को अवर अभियन्ता सिविल /यांत्रिक के पद पर पदोन्नत के लिए पृथक से कोटा निर्धारित करने आदि की मांग की गई है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, मंत्री तौलू प्रसाद ने मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जाए। अन्यथा की स्थिति में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद संघर्ष करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से सिंचाई विभाग ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन के मंडलीय प्रभारी शीतल प्रसाद गुप्ता, सचिव संजय कुमार, बुद्धसागर यादव, दिनेश चंद्र मिश्र, सुभाष चंद्र, विजय सहाय, राजनरायन चौधरी, आशुतोष आर्या आदि शामिल रहे।

अश्विनी वैष्णव ने इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार कार्य योजना के तहत रू. 497.07 करोड़ की लागत से पूर्वोत्तर रेलवे के औंड़िहार-वाराणसी सिटी (31.36 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की

गोरखपुर, : माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार कार्य योजना के तहत रू. 497.07 करोड़ की लागत से पूर्वोत्तर रेलवे के

औंड़िहार-वाराणसी सिटी (31.36 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की। यह परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी एवं गाजीपुर जनपद में अवस्थित है। परियोजना के अन्तर्गत कार्य आरम्भ होने पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। औंड़िहार-वाराणसी दोहरी लाइन खंड पर बड़ी संख्या में यात्री एवं माल गाड़ियों का संचलन किया जाता है। औंड़िहार एक प्रमुख जं. स्टेशन है, जहाँ से दरभंगा, रक्सौल, जयनगर, छपरा, गया, टाटानगर, कोलकाता, मऊ, गोरखपुर, बलिया, आजमगढ़, गाजीपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, दुर्ग, पुणे, मुम्बई, गोंदिया, गुवाहाटी, नई दिल्ली आदि शहरों के लिये ट्रेनों का आवागमन होता है, जिसके कारण इस मार्ग पर तीसरी लाइन की माँग थी, जिसको पूरा करते हुये रेल मंत्रालय द्वारा औंड़िहार-वाराणसी सिटी के मध्य तीसरी लाइन के निर्माण को मंजूरी दी है। यहाँ मेमू शेड भी है। इस तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के फलस्वरूप इस खंड की लाइन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे दोनों तरफ से अतिरिक्त यात्री गाड़ियों का संचलन हो सकेगा तथा प्रति वर्ष 1.99 मिलियन टन माल का अतिरिक्त ट्रैफिक मिलेगा, जिसके फलस्वरूप रेल राजस्व में वृद्धि होगी। इस तीसरी लाइन का निर्माण हो जाने पर गाड़ियों के डिटेंशन को रोका जा सकेगा, जिससे रेल राजस्व की बचत हो सकेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। इस खंड से पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत हेतु अतिरिक्त गाड़ियों का संचलन हो सकेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी एवं गाजीपुर जनपदों के विकास में तेजी आयेगी।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरन्तर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरन्तर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 11 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट ऐशबाग द्वारा ऐशबाग स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर यात्री का छूटा एक बैग लावारिस हालत में मिला, जिसे पोस्ट ऐशबाग पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 11 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट प्रयागराज रामबाग स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 14005 से यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे पोस्ट प्रयागराज रामबाग पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 11 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, चौकी इज्जतनगर स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 15009 से यात्री का छूटा एक बैग मिलने पर चौकी इज्जतनगर पर जमा किया गया। यात्री के चौकी पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 11 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट कन्नौज स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 15109 से यात्री का छूटा एक बैग मिलने पर पोस्ट कन्नौज पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट बस्ती स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 02570 से यात्री का छूटा एक मोबाइल फोन मिलने पर पोस्ट बस्ती पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर मोबाइल फोन को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट ऐशबाग स्टाफ को ऐशबाग स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर यात्री का गिरा एक मोबाइल फोन लावारित हालत में मिला, जिसे पोस्ट ऐशबाग पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर मोबाइल फोन को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट लखनऊ जं. स्टाफ द्वारा लखनऊ जं. स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर यात्री का छूटा एक बैग मिलने पर पोस्ट लखनऊ जं. पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट देवरिया सदर स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 15018 से महिला यात्री का छूटा एक पर्स एवं एक बैग मिलने पर पोस्ट देवरिया सदर पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर्स एवं बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट आजमगढ़ स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 13137 से यात्री का छूटा एक बैग मिलने पर पोस्ट आजमगढ़ पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट छपरा स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 15084 से यात्री का छूटा एक ट्रॉली बैग मिलने पर पोस्ट छपरा पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर ट्रॉली बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट प्रयागराज रामबाग स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 12333 से महिला यात्री का छूटा एक ट्रॉली बैग मिलने पर पोस्ट प्रयागराज रामबाग पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर ट्रॉली बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 10 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट गोंडा स्टाफ को गोंडा कचहरी स्टेशन पर 12 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त लड़के को चाइल्ड लाइन, गोंडा को सुपुर्द किया गया।

विजेता ट्रॉफी के साथ पूर्वोत्तर रेलवे की महिला हॉकी टीम

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक खेल संसाधनों एवं प्रशिक्षण के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन में निखार

का क्रम जारी है। इसी क्रम में, गाजीपुर में चल रहे राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मैच में पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम को हरा कर प्रतियोगिता जीत ली। पूर्वोत्तर रेलवे की सुश्री सुमिता को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एवं सुश्री नंदनी को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। पूर्वोत्तर रेलवे की महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री बिजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय थ्री इन वन व्यक्तित्व थे

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को बुधवार को समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया। पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने की। प्रथम वक्ता के रूप में किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी एवं द्वितीय वक्ता के रूप में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र गौड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। राजेंद्र गौड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के सिद्धांत के माध्यम से भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। उनका जीवन सादगी, राष्ट्रसेवा और समर्पण का प्रतीक रहा। गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि पंडित दीनदयाल ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में बंद रहेंगी फोटोकॉपी की दुकानें, डीएम ने दिए निर्देश

वाराणसी। वाराणसी जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में फोटोकॉपी की दुकानें बंद रहेंगी। पुलिस लाइन सभागार में इसे लेकर जिलाधिकारी ने बैठक की और कई जरूरी निर्देश दिए। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक की। इसमें जिलाधिकारी ने परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण, सकुशल, शुचितापूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराए जाने के लिए सभी जोनल, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों, सचल दल, केंद्र व्यवस्थापकों और सह केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दैरान केंद्रों के

आसपास 200 मीटर की दूरी तक फोटोकॉपी की दुकानें बंद रहेंगी। जिलाधिकारी ने कहा परीक्षा से संबंधित यातायात की कोई समस्या हो तो पास के लिए प्रशासन से संपर्क कर व्यवस्था सुनिश्चित करा लें। माध्यमिक शिक्षा परिषद की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप ही परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराएं। सभी केंद्र व्यवस्थापक अपने परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज करा लें और अपने अधीनस्थों और कक्ष निरीक्षकों की ब्रीफिंग अवश्य कराएं। उन्हें परीक्षा के नियम, प्रक्रिया और अनुशासन संबंधी जिम्मेदारियों को समझा दें। स्कूलों में संचालित सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग अच्छे ढंग से होनी चाहिए। प्रवेश के समय चेकिंग व तलाशी प्रॉपर किया जाए। क्लॉक रूम में मोबाइल फोन रखने की सुविधा उपलब्ध हो। सभी मजिस्ट्रेटों और केंद्र व्यवस्थापकों को माध्यमिक शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों का अध्ययन करने को कहा। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने परीक्षा के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने परीक्षा दौरान सील बुकलेट के खोलने से लेकर वितरण सहित अनुपस्थित कैंडिडेट के संबंध में, वेरिफिकेशन सीट भरने की प्रक्रिया, वीडियो रिकॉर्डिंग की जानकारी दी। इस अवसर पर एसीएम शिवानी सिंह, अपर सचिव विनोद राय, बीएसए अनुराग श्रीवास्तव मौजूद रहे।

चाइनीज मांझे से दो लहूलुहान, एक के सिर पर 15 टांके और दूसरी की उंगली कटी, पुलिस बोली- हमें सूचना नहीं

कानपुर। शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक सेल्समैन के सिर में 15 टांके आए और एक अन्य युवक की उंगली कट गई। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि अभी मामले की जानकारी नहीं है। सीएम योगी आदित्यनाथ ऑनलाइन और ऑफलाइन चाइनीज मांझे की बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए है। इसके बावजूद धड़ल्ले से पूरे शहर में बिक्री हो रही है और लोग इसकी चपेट में आकर घायल हो रहे हैं। अधिकारी सिर्फ अभियान चलाकर दिखावा कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रेलबाजार थाना क्षेत्र के फेथफुलगंज पुल से सामने आया, जहां बाइक सवार युवक पुल से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान चाइनीस मंझे की चपेट में आकर भाई से अनियंत्रित होकर गिरकर घायल हो गया। उसके सिर पर 15 टांके लगे हैं। खपरा मोहाल कैंट निवासी सुरेश विश्वकर्मा पोखरपुरवा में पेप्सी कंपनी में सेल्समैन का काम करते हैं। बीते मंगलवार की शाम को बाइक से ऑफिस से घर जा रहे थे। तभी फेथफुलगंज पुल में पहुंचते ही चाइनीज मांझे की

चपेट में आ गए। थाना प्रभारी बोले- मामले की जानकारी नहीं जैकेट और हेलमेट लगा होने से वह अनियंत्रित होकर गिर गए। मांझे की चपेट में आने से वह घायल हो गए। उनके सिर में 15 टांके लगे हुए है। केपीएम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। आरोप है कि फेथफुलगंज चौकी में शिकायत करने पर मौजूद एक सिपाही ने किसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की बात कहकर टरका दिया। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है।

46 लाख रुपए का हाउस टैक्स बकाया,नगर निगम ने सरोज इंस्टीट्यूट को सील किया

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम ने गुरुवार को सुल्तानपुर रोड पर सीलिंग की कार्रवाई की है। सरोज इंस्टीट्यूट की तरफ से नगर निगम का बकाया 46 लाख रुपए जमा नहीं करने पर यह एक्शन हुआ है। नगर निगम के कर अधीक्षक बनारसी दास ने बताया कि लंबे समय से टैक्स जमा करने के लिए इंस्टीट्यूट के साथ में बैठक की गई। नोटिस दिया गया, लेकिन नगर निगम का बकाया टैक्स जमा नहीं किया जा रहा है। इसके चलते अब सीलिंग की कार्रवाई की गई है। मौके पर प्रशासनिक ब्लॉक के साथ में मेनगेट को सील किया गया है। इंस्टीट्यूट में टेक्निकल एजुकेशन क्षेत्र से जुड़े छात्र पढ़ते हैं। नगर निगम की टीम सुबह के समय में कार्रवाई करने पहुंची तो इंस्टीट्यूट से जुड़े लोगों से उनकी जमकर तकरार हुई। कहा सुनी के बीच मौके पर नगर निगम की ईटीएफ फोर्स ने बीच बचाव किया। इंस्टीट्यूट से जुड़े लोगों ने कहा कि आप इस तरह से परिसर में नहीं आ सकते हैं। इसपर नगर निगम की टीम ने नगर निगम अधिनियम का हवाला देकर कार्रवाई करने की बाट कही। कर अधीक्षक बनारसी दास ने कहा कि हालात यह है कि कई बार मीटिंग करने और नोटिस देने के बाद भी कोई टैक्स नहीं जमा हो रहा है।

सत्येंद्र शर्मा ने सिंधिया से लिया आशीर्वाद

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर सत्येन्द्र शर्मा ने नई दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पुष्पगुच्छ भेंटकर आशीर्वाद लिया। सिंधिया ने उन्हें संगठन को मजबूत बनाने और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। शर्मा ने विश्वास दिलाया कि पार्टी की रीति नीति के अनुरूप संगठन की मजबूती के लिए समर्पण भाव से कार्य करेंगे।

विधायक सिकरवार ने किया सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन

ग्वालियर। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बुधवार को एमआईसी सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद नाथूराम ठेकेदार के साथ वार्ड 61 शीतला नगर (सिरोल) में सीसी सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस सड़क का निर्माण विधायक निधि से करीब 9 लाख रुपए की लागत से कराया जा रहा हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम के पश्चात विधायक डॉ. सिकरवार ने क्षेत्र का भ्रमण कर क्षेत्रीय नागरिकों की परेशानियां सुनी और तुरंत संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।

बच्चों का विवाह सही समय पर करें: जौहरी

ग्वालियर। ऑल इंडिया कायस्थ महासभा की बैठक बुधवार को महामंत्री सुरेंद्र सक्सेना के निवास पर आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय जौहरी थे। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के लड़के और लड़कियों की विवाह उम्र 30 से 35 वर्ष होती जा रही है जो चिंता का विषय है। इसका मुख्य कारण माता-पिता की लापरवाही या जागरूकता की कमी है। ऐसे में समाज का दायित्व बनता है कि लड़के और लड़कियों का विवाह सही समय पर कराया जाए। संचालन आलोक सक्सेना और आभार सुरेंद्र सक्सेना ने व्यक्त किया। बैठक में देवेंद्र श्रीवास्तव, शिशिर श्रीवास्तव, शिवानंद सहाय सक्सेना, राजेंद्र सक्सेना, योगेश भटनागर आदि उपस्थित रहे।

अशोक बने संभागीय अध्यक्ष

ग्वालियर। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ की गत दिवस बैठक आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रीय, राज्य और संभाग स्तरीय पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद सिंह पवैया द्वारा ग्वालियर संभाग के लिए अशोक गर्ग को प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ का संभागीय अध्यक्ष बनाया गया है। अशोक गर्ग ने सभी पदाधिकारियों का अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त किया है।

दादी-नानी रसोई के व्यंजनों का मेला 14 को

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग द्वारा दादी-नानी की रसोई से बने व्यंजनों का मेला 14 फरवरी को जीवाजी क्लब में आयोजित किया जाएगा। कैट, नगर निगम ग्वालियर, जिला प्रशासन, जीवाजी क्लब, स्वदेशी जागरण मंच इस आयोजन के प्रमुख सहयोगी हैं। मेले में पंजाबी, इन्दौरी फूड, गुजराती, बिहार और महाराष्ट्र के व्यंजन, राजस्थानी थाली, कांजीबडा, सिंधी खाना, मोमोज, उत्तरप्रदेश की चाट, साउथ इण्डियन व्यंजन, कढी कचौडी मेलेस्ट से बनी खाने की चीजें और हिमाचल के प्रमुख व्यंजन शामिल रहेंगे।

कैट आपके द्वार में सुनी व्यापारियों की समस्याएं

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर के एक होटल में बुधवार को 'कैट आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कैट जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने व्यापारियों की नगर निगम से जुड़ी विभिन्न समस्याएं सुनी। इस मौके पर व्यापारियों ने कहा कि चौक बाजार के जर्जर शौचालय का पुनः निर्माण, महिलाओं हेतु शौचालय निर्माण, व्यवस्थित पार्किंग, पूर्व निर्धारित पार्किंग स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराना, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान, हजीरा चौराहे की पार्किंग से डस्टबिन हटाने की आदि मांग रखी। इस दौरान कैट के संयुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, रश्मि मिनी अग्रवाल एवं श्रृष्टि गर्ग आदि उपस्थित रहे।

आज इंदरगंज और नदीगेट आने से बचें, यातायात रहेगा प्रतिबंधित

■ वैकल्पिक मार्गो से निकालेंगे वाहन, एलाआईसी तिराहा से नदी गेट तक आटो टमटम पूर्णतः प्रतिबंधित

■ ग्वालियर

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमनसिंह तोमर के बेटे रिपुदमन सिंह के विवाह समारोह में वीवीआईपी आगमन के चलते आज इन्दरगंज चौराहा से नदीगेट तक यातायात पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकाला जाएगा। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंताजम किए हैं और बुधवार को उषा किरण पैलेस और आसपास पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस वाहनों की चेकिंग भी कर रही है।

गुरुवार को शहर में वीवीआईपी का आगमन होने के कारण उषा किरण पैलेस और आसपास का क्षेत्र यातायात के लिए पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। शाम से ही पुलिस ने उषा किरण को सुरक्षा घेरे में ले लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के चाक चौबंद प्रबंध किए हैं। एक सैकड़ा से ज्यादा जवान और अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। जय विलास पैलेस में स्थित सिंध विहार में जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह का कहना है कि विशिष्ट अतिथियों के आने के कारण शहर में कुछ मार्गों पर यातायात को परिवर्तित कर दूसरे मार्गों से निकाला जाएगा। लोगों से अपील की गई है कि वह असुविधा से बचने के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने से बचें।

इन मार्गों पर रहेगा यातायात परिवर्तित

▸▸ स्टेशन, पड़ाव नया पुल, फूलबाग की ओर से होकर नदी गेट होकर बहोड़ापुर,महाराज बाड़ा की ओर जाने वाले तीन/चार पहिया वाहन- एलआईसी से माधव नगर गेट से चेतकपुरी होकर अचलेश्वर से इन्दरगंज से पाटनकर होते हुए महाराज बाड़ा व नई सड़क जीवाजीगंज होकर बहोड़ापुर की ओर जा सकेंगे।

▸▸ थाटीपुर गोले का मंदिर की ओर से नदी गेट होकर महाराज बाड़ा की ओर आने वाले वाहन आकाशवाणी,तानसेट होटल से लेफ्ट टर्न लेकर सिटी सेंटर से राजमाता चौराहा होकर चेतकपुरी से अचलेश्वर चौराहा, कम्पू होकर महाराज बाड़ा की ओर जा सकेंगे।

▸▸ बहोड़ापुर की ओर से रेलवे स्टेशन व सिटी सेंटर की ओर से जाने वाले वाहन नौगजा रोड से गुरुद्वारा होकर फूलबाग की ओर जा सकेंगे।

▸▸ महाराज बाड़ा की ओर से इन्दरगंज चौराहा, नदी गेट होकर फूलबाग, स्टेशन की ओर जाने वाले तीन/चार पहिया वाहन राम मंदिर से से छप्परवाला पुल, शिंदे की छावनी होकर फूलबाग ,स्टेशन की ओर जा सकेंगे।

▸▸ बहोड़ापुर की ओर से गोले का मंदिर मुरार की ओर से जाने वाले वाहन बहोड़ापुर से सागरताल, हजीरा होते हुए गोला का मंदिर मुरार की ओर जाएंगे।

▸▸ महाराज बाड़ा से गोले का मंदिर मुरार की ओर जाने वाले तीन/चार पहिया वाहन महाराज बाड़ा से पाटनकर चौराहा ,ऊंट पुल, इन्दरगंज चौराहा से रोशनीघर रोड होकर चैतकपुरी चौराहा से महालेखाकार कार्यालय पुल से राजमाता तिराहा होकर गोला का मंदिर, मुरार की जा सकेंगे।

माधव महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

■ ग्वालियर

माधव महाविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से गोला का मंदिर स्थित जे. बी. मांगाराम फैक्ट्री का भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगों की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया तथा प्रबंधन प्रणाली से अवगत कराना था। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.संजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में आयोजित इस भ्रमण में फैक्ट्री की स्थापना, विकास यात्रा और उत्पाद निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने कच्चे माल के चयन से लेकर तैयार उत्पाद की पैकेजिंग तक की संपूर्ण प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। जिसकी जानकारी दीपक गुप्ता गुणवत्ता प्रबंधक, शैलेश कटारे श्रम कल्याण अधिकारी, विकास मिश्रा मानव संसाधन अधिकारी, आयुष्य सैनी पर्यावरण स्वास्थ्य सुरक्षा अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता मानकों तथा सुरक्षा के बारे में पूरी सावधानी बरती जाती है। साथ ही महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. कौशलेंद्र अवस्थी, डॉ. विजय पांडे, डॉ. प्रशांत साहू, डॉ. संजय गुप्ता तथा डॉ. दीप्ति नारंग विशेष रूप से उपस्थित थे।

राहुल भैया ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से की मुलाकात

ग्वालियर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया बुधवार को सुबह वंदे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर आए। रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस नेताओं ने उसका स्वागत किया। इसके बाद श्री सिंह पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, अजीत परमार, रघुवीर खरे, पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला, विधायक साहब सिंह गुर्जर, लाखन सिंह यादव, गोपाल परमार, राजेन्द्र सिंह नाती, ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, वासुदेव शर्मा, विवेक सिंह तोमर के यहां सौजन्य भेंट के लिए पहुंचे। तत्पश्चात योगेन्द्र सिंह तोमर के यहां भजन संध्या में शामिल हुए। वह 12 फरवरी को मुरैना, 13 को भिण्ड एवं 14 को दतिया प्रवास पर रहेंगे।

पूर्व विधायक का स्वास्थ्य देखा

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राहुल भैया पूर्व विधायक गजराज सिंह सिकरवार के स्वास्थ्य की जानकारी लेने ललितपुर कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचे। जहां राहुल भैया का पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने श्री सिकरवार से मुलाकात कर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस मौके पर पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू ने राहुल भैया को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। स्वागत करने वालों में पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, प्रभुदयाल जौहरे, राम पाण्डे, रामअवतार जाटव, विनोद जैन, रेखा जाटव, अंकित कट्ठल, सुरेश प्रजापति आदि शामिल रहे। वहीं पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला के निवास पर पूर्व अध्यक्ष चंद्रमोहन नागोरी, राम सिंह चौहान, हरिओम शर्मा, युवक कांग्रेस के महामंत्री प्रांजल तिवारी, अख्तर हुसैन कुरैशी, पूर्व महामंत्री लतीफ खां मल्लू, प्रेम सिंह कौरव, रवि चौखटिया, नगरपाल आर्य ने स्वागत किया।

51 सदस्यों की होगी कांग्रेस कार्यकारिणी,दस दिन के भीतर मांगे नाम

शहर और ग्रामीण कांग्रेस की कार्यकारिणी अब 51-51 सदस्यों की होगी। इसमें 50 फीसदी सदस्य विशेष आमंत्रित रखना अनिवार्य किया गया है। जिला अध्यक्षों से दस दिन के भीतर पीसीसी को नाम भेजने के लिए कहा गया है। 11 फरवरी को प्रदेश कांग्रेस के संगठन महामंत्री डॉ संजय कामले ने सभी जिला अध्यक्षों को पत्र भेजकर फार्मेट अनुसार कार्यकारिणी भेजने के निर्देश दिए हैं। नई व्यवस्था में तीन विधानसभा वाले जिलों में 51 और इससे कम विधानसभा वाले जिलों में 31 सदस्यों की कार्यकारिणी बनाना है। बड़े जिलों में दस उपाध्यक्ष और 15 महामंत्री बनाए जा सकेंगे। शेष पद विशेष आमंत्रित यानी कि पूर्व सांसद, पूर्व विधायक आदि से भरे जाएंगे। इस तरह अब कांग्रेस में जंबो कार्यकारिणी बनाने का चलन खत्म कर दिया गया है।

स्वागत में दिखी गुटबाजी

राहुल भैया के आगमन के बाद कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई। दक्षिण विधानसभा के नए नवेले कुशवाहा नेताजी को स्वागत कार्यक्रम का शौक चर्राया हुआ है, वह रिवाज गार्डन में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के स्वागत के बाद दक्षिण के बाबा गार्डन में राहुल भैया का कार्यक्रम रखना चाहते थे, जो पूर्व विधायक को गवारा नहीं था इसलिए उन्होंने इसे रद्द करा दिया। जिस पर सुग्रीव कुशवाहा ने विधायक की शरण ली। जिन्होंने जिला प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान से कहकर कार्यक्रम जुडवा दिया। तब जाकर बाबा गार्डन में स्वागत कार्यक्रम किया गया। इसी तरह ग्वालियर विधानसभा में भी राहुल भैया दो ऐसे नेताओं के यहां पहुंचे, जिन्होंने विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी के खिलाफ काम किया था। इसीलिए प्रत्याशी ने इससे दूरी बना ली। इसके साथ ही शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव दो नेताओं के यहां राहुल भैया के साथ नहीं गए। ऐसे में चर्चा है कि राहुल भैया का ग्वालियर-चंबल प्रवास संगठन को जोड़ने के लिए है या तोड़ने के लिए।

बुंदेलखंड बुल्स के दो दिवसीय ट्रायल में 350 से अधिक क्रिकेटरों ने दिखाया दमखम

■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग से जुड़ी टीम बुंदेलखंड बुल्स की दो दिवसीय ट्रायल प्रक्रिया शहर में बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस ट्रायल में प्रदेशभर से आए क्रिकेटरों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। ट्रायल प्रक्रिया में 100 से अधिक महिला क्रिकेटर एवं 250 से अधिक पुरुष क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों की बड़ी भागीदारी के चलते आयोजन खासा चर्चित रहा। पूरे ट्रायल के दौरान टीम के ओनर रोहित वाधवा एवं मोक्ष वाधवा स्वयं मौजूद रहकर व्यवस्थाओं और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर लगातार नजर बनाए हुए थे। गौरतलब है कि ट्रायल में ग्वालियर सहित भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया और शिवपुरी जैसे आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए गठित चयन समिति में पूर्व महिला क्रिकेटर संध्या अग्रवाल, विजय प्रकाश शर्मा, पल्लवी भारद्वाज, तेजराज, निशांत धमीजा एवं निधि राजावत मौजूद रहे।

केरल के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का रेलवे स्टेशन पर स्वागत

■ ग्वालियर

केरल के नगरीय निकाय में निर्वाचित प्रतिनिधियों का बुधवार को केरला एक्सप्रेस से दिल्ली जाते समय रेलवे स्टेशन पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जनप्रतिनिधियों का पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर परढोल नगाड़े के बीच गगनभेदी नारे लगाए गए। श्री राजौरिया ने बताया कि यह पहला अवसर है जब केरल में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों की प्रचंड विजय हुई है। तिरुअनंतपुरम से भाजपा के प्रथम महापौर बी राजेश ने कहा

कि हमारे कार्यकर्ताओं के वर्षों के कठिन संघर्ष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ है। स्वागत करने वाले नेताओं में पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, नवनियुक्त जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, बिट्टू तोमर, राजू पलैया, विनोद शर्मा, विकास साहू, प्रिया तोमर, रेशु राजावत, चन्दन पटेल, राघवेंद्र शर्मा, डॉ. निशिकांत मोघे, गौरव वाजपेयी, आलोक आहूजा, नितेश थापक, मंडल अध्यक्षगण मुकेश दुबे, शिवसिंह यादव, चिंटू परमार, लवी खंडेलवाल, मुलायम सिंह, डॉ. अंजलि रायजादा, महेंद्र सोलंकी, बेटू शर्मा, यतीश आदि शामिल हैं।

पुण्यतिथि पर पं. दीनदयाल को पुष्पांजलि अर्पित

भाजपा के पितृपुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर बुधवार को भाजपाजनो ने श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समर्पण दिवस का आयोजन आजीवन सहयोग निधि के रूप में प्रारंभ हुआ। पहले ही दिन 25 लाख रुपए के चेक प्राप्त हुए। पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, कमल माखीजानी, वेदप्रकाश शर्मा, अभय चौधरी, मुन्नालाल गोयल, संयोजक रामेश्वर भदौरिया, सह संयोजक ललित नागपाल, राजू कुकरेजा, आशीष प्रताप राठौर, हेमलता भदौरिया, सतीश बौहरे आदि मौजूद रहे।

संग्रहालय का काम जल्द पूरा कर जनता के लिए खोले

■ ग्वालियर

मोतीमहल स्थित नगर निगम संग्रहालय का बुधवार सुबह अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संग्रहालय में चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार को कार्य शीघ्र पूर्ण कर संग्रहालय को जनता के लिए खोलने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने डिस्प्ले और आर्ट वर्क को भी जल्द पूरा करने के लिए कहा। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम संग्रहालय का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। साथ ही संग्रहालय का विस्तार भी किया गया है। संग्रहालय में नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय एवं एक शासकीय कार्यालय को भी शामिल किया गया है। संग्रहालय का सिविल वर्क लगभग पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में संग्रहालय के अंदर रखी वस्तुओं को डिस्प्ले करने का कार्य चल रहा है। इसके साथ ही तीसरी मंजिल की छत से पानी के रिसाव के कारण खराब हो चुके आर्ट वर्क को ठीक किया जा रहा है। अपर आयुक्त टी.प्रतीक राव ने आर्ट वर्क एवं डिस्प्ले के कार्यो को तेज गति से करने के निर्देश ठेकेदार एवं अधिकारियों को दिए हैं। बता दें कि सिंधिया शासन काल में बनी इमारत में नगर निगम का संग्रहालय मौजूद है। इस संग्रहालय में 4 हजार से ज्यादा दुर्लभ कलाकृतियां, प्रतिमाएं, जानवरों की खालें, सिक्के, हाथी दांत से बनी कलाकृतियां आदि रखी हुई हैं। चूंकि म्यूजियम में जगह कम थी, इसलिए अधिकांश वस्तुओं को प्रदर्शित ही नहीं किया गया था। अब इन सभी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही म्यूजियम में एसी आदि की व्यवस्था की जाएगी।

शिक्षा मित्र अभियानः -जनभागीदारी से 74 लाख की सहयोग राशि जुटाई

अब तक 140 स्कूलों में 3 हजार से अधिक टेबल-कुर्सियां पहुंची

■ ग्वालियर

अब तक 140 शासकीय स्कूलों में 3 हजार 100 से अधिक टेबल-कुर्सियां प्रदान की जा चुकी हैं और 2500 से अधिक टेबल-कुर्सियां तैयार होकर चिन्हित स्कूलों में पहुंचाई जा रही हैं। जिलाधीश रुचिका चौहान के नेतृत्व में जिले में संचालित शिक्षा मित्र अभियान लगातार गति पकड़ता जा रहा है और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार कर रहा है।

जिले के शासकीय स्कूलों में बच्चों को सम्मानजनक और सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस नवाचार के तहत अब तक प्रशासनिक अधिकारियों और समाज के सहयोग से करीब 74 लाख रुपए की राशि एकत्र की जा चुकी है। इस राशि से उन स्कूलों को प्राथमिकता के आधार पर टेबल-कुर्सियां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जहां पहले इनकी कमी थी।

इस अभियान की शुरुआत स्वयं जिलाधीश रुचिका चौहान द्वारा 1 लाख रुपए के व्यक्तिगत सहयोग से की गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार स्वेच्छा से सहयोग दिया। जिलाधीश की इस पहल को जिले के नागरिकों, समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों का भी व्यापक समर्थन मिला, जिससे यह अभियान जन सहभागिता का मजबूत उदाहरण बनकर उभरा है।

2500 से अधिक और टेबल-कुर्सियां तैयार

शिक्षा मित्र अभियान के तहत अब तक 140 स्कूलों में बच्चों के बैठने के लिए आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध कराया जा चुका है। वहीं 2500 से अधिक टेबल-कुर्सियां तैयार हो चुकी हैं, जिन्हें जल्द ही शेष चिन्हित स्कूलों में वितरित किया जाएगा। प्रशासन का फोकस यह सुनिश्चित करने पर है कि कोई भी बच्चा फर्श पर बैठकर पढ़ने को मजबूर न हो और सभी को समान शैक्षणिक सुविधाएं मिलें। आगे की योजना के तहत अभियान को और विस्तार देने की तैयारी है। शेष शासकीय स्कूलों की आवश्यकता का आकलन कर चरणबद्ध तरीके से वहां भी टेबल-कुर्सियां पहुंचाई जाएंगी।

आत्मनिर्भर जीवन की कुंजी है शिक्षा

■ ग्वालियर

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर, कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, इको क्लब एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा से आत्मनिर्भरता कार्यक्रम के तहत 7 दिवसीय एलईडी एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण का समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कुमार रत्नम अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग थे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। मुख्य वक्ता डॉ. राजेश सिंह तोमर कुलगुरु एमिटी विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के मध्य भारत प्रांत प्रमुख धीरेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला संयोजक राजकुमार वाजपेयी, डॉ. राजकमल जादौन संयोजक भाषा विभाग तथा डॉ. अशोक सिंह चौहान मंचासीन रहे। प्रशिक्षक बृजेश शुक्ला, सुनील शर्मा एवं अभिषेक ने छात्राओं को एलईडी बल्ब एवं धूपबत्ती निर्माण की व्यावहारिक तकनीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. साधना श्रीवास्तव ने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। यह प्रशिक्षण न केवल आत्मविश्वासी बनाते हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर भी प्रदान करते हैं। डॉ. कुमार रत्नम ने कहा कि शासन स्तर पर कौशल आधारित शिक्षा को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मंत्र भारत

ग्वालियर -शुक्रवार,13 फरवरी 2026

संपादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त, यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है। निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है। साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिये एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है। सोशल मीडिया कारोबार में दोनों हाथों से मुनाफा बटोरने वाली कंपनियों के देश अमेरिका में दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर लोगों को लत लगाने वाली मशीनें बनाने के आरोप लग रहे हैं। इस बाबत एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख विशेषज्ञ की टिप्पणी है- हम देख रहे हैं कि अधिकाधिक युवा न केवल मनोवैज्ञानिक बल्कि शारीरिक पीड़ा का भी अनुभव करते हैं, जब उनसे फोन आदि उपकरण ले लिए जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति भारत समेत तमाम विकासशील देशों में भी बनी हुई है। इस संकट का कोई स्थायी समाधान विश्व भर के लिये प्रासंगिक हो सकता है। निस्संदेह, इस बेहद घातक तकनीक आक्रमण से निबटना लगातार बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। निर्विवाद रूप से असली-नकली के भ्रम से जूझते उपयोगकताओं की संवेदनाओं से खिलवाड़ का सिलसिला नियंत्रित होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर डीपफेक से धोखाधड़ी-गलत सूचनाओं के बढ़ते खतरों को नियंत्रित करने के लिये सख्त नियम के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के संचालकों को जवाबदेह बनाना भी जरूरी है।

पाकिस्तान के इस्लामी चरित्र की सच्चाई

यह सिलसिला नया नहीं है। नवम्बर, 2024 में पराचिनार में शिया जुलूस पर हमला हुआ, जिसमें 44 लोग मारे गए। यह जुलूस पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी हजरत फातिमा की याद में निकाला जा रहा था। मार्च, 2022 में पेशावर की कुचा रिसालदार शिया मस्जिद में विस्फोट हुआ, 60 से अधिक लोग मारे गए। 2015 में शिकारपुर की शिया मस्जिद पर हुए हमले में जुमे की नमाज पढ़ रहे 61 लोगों की मौत हुई। 2013 में क्वेटा दो बड़े धमाकों से दहला था, जिसमें 200 से अधिक (अधिकांश शिया) मारे गए थे। ऐसी हृदयविदारक घटनाओं की एक लंबी सूची है। पाकिस्तान में लगभग 4 करोड़ शिया बसते हैं। पिछले दो दशकों में 4,000 से अधिक शिया मुसलमान इस्लाम के नाम पर जिहादी हमलों में मारे जा चुके हैं। यह दर्दनाक मौतें प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं, बल्कि उस जहरीली सोच का स्वाभाविक नतीजा है, जिसका आधार ही असहिष्णुता और घृणा हैं।

बलबीर पुंज

6 फरवरी, 2026 को इस्लामाबाद की खादिजा-तुल-कुबरा शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान आत्मघाती विस्फोट हुआ। इसमें 36 लोगों की जान चली गई और 160 से अधिक घायल हो गए। यह केवल एक आतंकी घटना नहीं थी। यह उस गंभीर बीमारी का लक्षण है, जो लंबे समय से पाकिस्तान

और मजहब आधारित विचारधारा के भीतर पल रही है, जिसमें गैर-मुस्लिमों के साथ मुसलमान भी मुसलमानों के निशाने पर हैं। यह सिलसिला नया नहीं है। नवम्बर, 2024 में पराचिनार में शिया जुलूस पर हमला हुआ, जिसमें 44 लोग मारे गए। यह जुलूस पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी हजरत फातिमा की याद में निकाला जा रहा था। मार्च, 2022 में पेशावर की कुचा रिसालदार शिया मस्जिद में विस्फोट हुआ, 60 से अधिक लोग मारे गए। 2015 में शिकारपुर की शिया मस्जिद पर हुए हमले में जुमे की नमाज पढ़ रहे 61 लोगों की मौत हुई। 2013 में क्वेटा दो बड़े धमाकों से दहला था, जिसमें 200 से अधिक (अधिकांश शिया) मारे गए थे। ऐसी हृदयविदारक घटनाओं की एक लंबी सूची है। पाकिस्तान में लगभग 4 करोड़ शिया बसते हैं। पिछले दो दशकों में 4,000 से अधिक शिया मुसलमान इस्लाम के नाम पर जिहादी हमलों में मारे जा चुके हैं। यह दर्दनाक मौतें प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं, बल्कि उस जहरीली सोच का स्वाभाविक नतीजा है, जिसका आधार ही असहिष्णुता और घृणा हैं। हर बड़ी आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान की सत्ता का एक परिचित तरीका सामने आता है-दोष बाहर ढूंढो। इस्लामाबाद की शिया मस्जिद पर हालिया जिहादी हमले के बाद भी बिना ठोस प्रमाण के भारत और अफगानिस्तान पर आरोप मढ़े गए। लेकिन यह समस्या आयातित नहीं है। वास्तव में, यह ङ्कषहसा उस वैचारिक अधिष्ठान से प्रेरित है, जिसकी नींव से पाकिस्तान नाम के कृत्रिम देश का जन्म हुआ और उसी से खुराक लेकर एक राष्ट्र के रूप में जीवित रहने की कोशिश कर रहा है। ह्यतहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान और ह्यअहल-ए-सुन्नत-वॉल-जमात जैसे समूह खुले मंचों से शिया विरोधी भाषण देते रहे हैं। सितम्बर, 2020 में कराची में हजारों सुन्नी कट्टरपंथियों ने रैली निकाली थी, जिसमें शिया मुसलमानों के खिलाफ नारे लगाते हुए उन्हें ह्यईशनिंदक बताकर उनका गला काटने की मांग की गई थी। ऐसे खुलेआम प्रदर्शन इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के अलग-अलग में हिस्सों में हुए थे। पाकिस्तानी सत्ता अधिष्ठान ने वैचारिक बाध्यता के अनुरूप जिहादियों से सीधे संघर्ष की बजाय उनसे बचने या उनका प्रत्यक्ष-परोक्ष सहयोग करने का रास्ता चुना। 2020 में पाकिस्तानी पंजाब में पारित ह्यतहफ्फुज-ए-बुनियाद-ए-इस्लाम कानून इसका एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसमें इस्लामी मामले में केवल सुन्नी दृष्टिकोण को एकमात्र सच्चा और दूसरे मुस्लिम विचार (शिया सहित) ईशनिंदा के समकक्ष हैं। इस चिंतन का एक वीभत्स रूप 2022 में तब सामने आया, जब डेरा इस्माइल खान में 3 महिला शिक्षकों ने ईशनिंदा के आरोप में अपनी ही एक सहयोगी शिक्षिका की गला रेतकर हत्या सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उन्हें एक छात्रा ने बताया था कि उसने सपने में शिक्षिका (मृत) को ईशङ्कषनदा करते देखा था।

आखिर पाकिस्तान में ऐसा क्यों हो रहा है? इसका जवाब उस चिंतन में है, जिसमें आतंकवादियों को ह्यअच्छे और ह्यबुरे में वर्गीकृत किया जाता है। जब जिहादी भारत या इसराईल को निशाना बनाते हैं, तो वे पाकिस्तान में ह्यनायक कहलाते हैं। लेकिन जब वही आतंकी अपनों को ही डंसने लगते हैं, तो पाकिस्तान स्वयं को ह्यआतंकवाद का पीड़ित बताने लगता है। क्या यह सच नहीं कि दोनों मामलों में हमलावर एक ही विषाक्त मानसिकता से प्रेरणा पाते हैं? पाकिस्तान का अक्सर तर्क रहा है कि भारत ह्यमुसलमानों के लिए सुरक्षित नहीं है। सच्चाई इस झूठ से कोसों दूर है। 1947 में भारत में लगभग 3 करोड़ मुसलमान थे, आज उनकी संख्या 22-24 करोड़ के बीच है। वे लोकतंत्र में भाग लेते हैं, चुनाव लड़ते हैं और शासन-प्रशासन, सेना, शिक्षा और व्यापार में उनकी मौजूदगी है। बहुसंख्यकों की तरह उन्हें समान और कई मामले में अधिक संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। भारत के खाड़ी देशों (अधिकांश इस्लामी) से मजबूत संबंध हैं। मोदी सरकार में ये रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। इसके उलट, पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों की संख्या लगातार घटी है। उनकी महिलाएं मजहबी यातनाओं की शिकार हैं। ङ्कषहदू, सिख आदि अल्पसंख्यक सार्वजनिक जीवन से लगभग गायब हैं। अहमदिया संवैधानिक रूप से गैर-मुस्लिम घोषित हैं। यह अंतर केवल नीतियों का नहीं, वैचारिक दृष्टिकोण का भी है। पाकिस्तान में पहचान का संकट भी उसकी समस्या के केंद्र में है। उसका सत्ता-वैचारिक अधिष्ठान अपनी प्राचीन और बहुलतावादी सनातन विरासत से दूरी बनाता है। जब समाज अपनी सांस्कृतिक निरंतरता की बजाय अपनी जड़ों को अस्वीकार करता है, तो वह भ्रम और कुंठा से घिर जाता है। एक ओर पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर गांधार बौद्ध विरासत को अपनी ऐतिहासिक धरोहर मानता है, साथ ही उन इस्लामी आक्रांताओं- गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि को भी अपना नायक कहता है, जिन्होंने मजहबी जुनून में इन्हीं सनातन प्रतीकों को रौंदा था। दुनियाभर के मुसलमानों (भारत सहित) के लिए यह एक महत्वपूर्ण संकेत है जिसे अक्सर इस्लामी पहचान का प्रतीक माना जाता है, वह पाकिस्तान अपने जन्म से ही औपनिवेशिक शक्तियों का प्यादा है, जिसका मैं इसी कॉलम में तथ्यों-तर्कों के साथ उल्लेख कर चुका हूं। क्या मस्जिद में नमाज पढ़ते मुस्लिमों की मजहब के नाम पर सहबंधुओं द्वारा हत्या जायज ठहराई जा सकती है? यह केवल कानून और सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि वैचारिक ङ्कषचतन का भी प्रश्न है। जब नफरत सामान्य हो जाए, तो हिंसा असामान्य नहीं रह जाती। जम्मू.कश्मीर में कुछ शिया प्रदर्शनकारियों ने यही सवाल उठाया है- मस्जिदों में नमाज पढ़ते मुसलमानों को मारना कैसा जिहाद है? किसी भी राष्ट्र की स्थिरता उसकी विविधता को संभालने की क्षमता पर निर्भर करती है। सह-अस्तित्व, कानून का समान संरक्षण, अपनी जड़ों (पहचान सहित) का सम्मान और नफरत के खिलाफ स्पष्ट रुख, ये किसी भी आधुनिक और शांतिप्रिय देश की मौलिक शर्तें हैं। क्या पाकिस्तान इनमें से किसी पर भी खरा उतरता है?

विपक्ष को मिली आंशिक सफलता

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

राहुल गांधी यानी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आखिरकार बुधवार को संसद में भाषण दे पाए। पिछले सोमवार जब उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने की कोशिश की थी, तो लगातार उन्हें दो दिन रोका गया और फिर बिना चर्चा के ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया। गनीमत है कि बजट पर ऐसा नहीं हुआ और राहुल गांधी ने संसद में अपना भाषण दिया। राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा करते हुए केंद्र सरकार पर देश की संप्रभुता और डेटा को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने का गंभीर आरोप लगाया। राहुल गांधी ने मार्शल आर्ट्स के श्ग्रिपश और श्चोकश तकनीक का उदाहरण देते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाहरी ताकतों के दबाव में श्सरेंडरश कर चुके हैं। अपने भाषण की शुरूआत में राहुल ने बताया कि मार्शल आर्ट्स में लक्ष्य होता है प्रतिद्वंद्वी पर पकड़ बनाना। एक बार पकड़ आ गई, तो गला चोक किया जाता है और विपक्षी 2-3 बार थपथपा करके समर्पण कर देता है। यही आज भारत की राजनीति में हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मार्शल आर्ट्स में तो ग्रिप, चोक और सरेंडर सब नजर आते हैं, लेकिन राजनीति में ऐसा नहीं होता। इसके बाद राहुल गांधी ने आर्थिक सर्वे पर अपनी बात रखी और कहा कि मैं आर्थिक सर्वेक्षण देख रहा था। मुझे दो मुख्य बिंदु मिले। पहला, हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां भू-राजनीतिक संघर्ष तीव्र होता जा रहा है। चीन, रूस और अन्य शक्तियां संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को चुनौती दे रही हैं। दूसरा, हम ऊर्जा और वित्तीय हथियारों के युग में जी रहे हैं। इसका मुख्य अर्थ यह है कि हम स्थिरता के युग से अस्थिरता के युग की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है, और हैरानी की बात यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) ने भी यही कहा है, कि युद्ध का युग समाप्त हो गया है। वास्तव में, हम युद्ध के युग में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए हम अस्थिरता के युग में प्रवेश कर रहे हैं। डॉलर को चुनौती मिल रही है, और अमेरिकी वर्चस्व को भी चुनौती मिल रही है। हम एक महाशक्ति के युग से एक ऐसे नए युग की ओर बढ़ रहे हैं जिसकी हम भविष्यवाणी नहीं कर सकते। यह एक अस्थिर दुनिया है, और आर्थिक सर्वेक्षण भी यही कहता है, और मैं इससे सहमत हूं। राहुल गांधी ने ईरान, यूक्रेन जैसे वैश्विक युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि दुनिया एक खतरनाक दौर में है। राहुल ने दावा किया कि अमेरिका और चीन के बीच की लड़ाई में सबसे कीमती चीज श्इंडियन डेटाश है। यानी आम भारतीयों की निजी जानकारी जिस तरह डेटा में तब्दील होकर वैश्विक शक्तियों के पास पहुंच रही हैं, उस पर राहुल ने चिंता जताई। साथ ही अमेरिका से डील को उन्होंने बराबरी का सौदा नहीं माना और दावा किया कि इंडिया गठबंधन होता तो ट्रंप से बराबरी पर बात करता, लेकिन मौजूदा सरकार ने श्नौकरश की तरह डेटा सौंप दिया है। वहीं किसानों के हक की आवाज उठाते हुए राहुल ने कहा कि मोदीजी ने अमेरिका के लिए दरवाजे खोलकर भारतीय किसानों को कुचलने की तैयारी की है। हमारे किसानों पर इतना बड़ा हमला कभी नहीं हुआ। वहीं बांग्लादेश पर अमेरिका ने शून्य टैरिफ लगाया है, जिससे भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ेगा, इस पर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा। राहुल जब बिंदुवार तरीके से मोदी सरकार को बजट और अमेरिका से सौदे पर घेर रहे थे, तब सदन में बैठे सत्तापक्ष के लोग काफी बेचैन दिख रहे थे। इसके बाद राहुल गांधी ने जैसे ही अनिल अंबानी, हरदीप पुरी और एपस्टीन फाइल्स का जिक्र किया। उन्हें फौरन नियम याद दिलाए जाने लगे। जगदंबिका पाल ने उन्हें बजट पर बोलने को कहा, और कहा कि जो सदन का सदस्य नहीं है, अपना पक्ष रखने के लिए यहां नहीं है, उस पर आप आरोप नहीं लगा सकते। इस पर के सी वेणुगोपाल ने पूछा कि क्या नियम केवल हमारे लिए हैं, क्योंकि इसी सदन में कुछ दिन पहले दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भी बेतुके आरोप लगाकर कीचड़ उछाला गया था। बहरहाल, बार-बार की टोका-टाकी के बाद भी राहुल रुके नहीं और उन्होंने सनसनीखेज दावा किया कि अनिल अंबानी का नाम श्एपस्टीन फाइल्सश में है, इसलिए वे जेल में नहीं हैं। उन्होंने हरदीप पुरी का नाम भी इस विवाद से जोड़ा और कहा कि वे तो संसद के सदस्य हैं। अपने भाषण में राहुल ने पूछा कि क्या आपको देश को बेचने में, हमारी मां, भारत माता को बेचने में शर्म नहीं आई। राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी का नाम भी लिया कि अमेरिका में उनके खिलाफ मामला है, इसका भी संबंध इस ट्रेड डील से है।

रिजर्व करंसी का अपना दर्जा छोड़ने को डॉलर तैयार नहीं

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नारायण रामचंद्रन

2026 की शुरूआत के साथ ही 2 महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं। पहली घटना यह थी कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए ह्यमजबूत युआन का स्पष्ट आह्वान किया, वहीं दूसरी ओर, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गिरते डॉलर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को ह्यनहीं, यह तो बढिया है कह कर खारिज कर दिया। यह सच है कि शी ने यह बात 2024 में एक बंद मंच पर कही थी, लेकिन चीनी अधिकारियों ने इसे इसी साल सार्वजनिक किया। यह भी सच है कि ट्रम्प लगभग 4 दशकों में डॉलर की बात करने वाले पहले अमरीकी राष्ट्रपति हैं।पहले अमरीकी डॉलर के विभिन्न ऐतिहासिक चक्रों पर एक संक्षिप्त नजर डालें। सबसे पहला चक्र 1971 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा ब्रेटन वुड्स समझौते के तहत स्वर्ण मानक और डॉलर की स्वर्ण में परिवर्तनीयता को निलंबित करने की चौंकाने वाली घोषणा से शुरू होता है। तब से, डॉलर के 7 प्रमुख चक्र रहे हैं। पहला, 1971-1978रू स्वर्ण मानक छोडने के बाद अस्थिरता। दूसरा, 1978-1985रू डॉलर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। तीसरा चरण, 1985-1992: प्लाजा समझौता और व्यापारिक सांझेदारों के सहयोग से डॉलर के मूल्य में नियोजित अवमूल्यन। चौथा चरण, 1992-2002: मजबूत डॉलर का युग, जिसमें अमरीका एकमात्र वैश्विक महाशक्ति था। पांचवां चरण, 2002-2012ह्य अमरीका द्वारा महत्वपूर्ण मौद्रिक नीति में ढील देने के कारण डॉलर का मूल्य कम हुआ, जबकि उभरते बाजारों में तेजी आई। छठा चरण, 2012-2022: मजबूती का एक दशक, जो 2022 के आसपास उच्चतम स्तर पर पहुंचा। सातवां चरण, 2022-2026: डॉलर नए शिखर पर पहुंचा लेकिन 2022 के मध्य में गिरावट शुरू हुई जो 2025 में और तेज हो गई। आज, डी.एक्स.वाई. डॉलर सूचकांक (छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले) अपने 2022 के उच्चतम स्तर से लगभग 13 प्रतिशत नीचे है, अपने 2008 के न्यूनतम स्तर से 30 प्रतिशत ऊपर है और पूर्ण अवधि के रुझान के ठीक मध्य में है। साथ ही, सोना, जिसे कभी-कभी ह्यएंटी-डॉलर कहा जाता है और चांदी, तांबा और प्लैटिनम जैसी अन्य धातुएं हाल ही में अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं (हालिया बिकवाली के साथ)। इससे कुछ विश्लेषकों ने इसे ह्यडॉलर का अवमूल्यन कहना शुरू

कर दिया है। मुद्राओं के संदर्भ में, अवमूल्यन एक गंभीर शब्द है। इस शब्द के लागू होने के लिए निम्नलिखित चारों शर्तों का पूरा होना आवश्यक है-एक, मुद्रा आपूर्ति में भारी वृद्धि, जिसे आमतौर पर एम2 वृद्धि द्वारा मापा जाता हैय दो, बड़ा राजकोषीय और चालू खाता घाटाय तीन, आसान मौद्रिक नियंत्रण परिस्थितियां, जो आमतौर पर मात्रात्मक सहजता की नीति द्वारा चिह्नित होती हैं और चौथी, देश के आर्थिक प्रबंधन में कम विश्वास। इन चार मापदंडों के आधार पर, आज अमरीका की स्थिति कुछ इस प्रकार है। एम2 द्वारा मापी गई वार्षिक मुद्रा आपूर्ति वृद्धि 5 प्रतिशत है, जो काफी सामान्य है। अमरीका का राजकोषीय घाटा काफी अधिक है (2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 5.5 प्रतिशत अनुमानित) और इसका राष्ट्रीय ऋण 39 ट्रिलियन डॉलर है। एक असामान्य स्थिति यह है कि इसमें से 9 ट्रिलियन डॉलर का पुर्नवत्तपोषण 2026 में होना है, जिससे बॉन्ड यील्ड पर दबाव बढ़ सकता है। अमरीका सकारात्मक वास्तविक दरों और मात्रात्मक सख्ती के संयोजन के साथ मध्यम रूप से सख्त मौद्रिक स्थितियों में काम कर रहा है। हाल के समय में डॉलर के ह्यसामान्यीकरण की प्रक्रिया तेज हुई है और आज अमरीका को मुद्रा अवमूल्यन का खतरा नहीं है। यह मुख्य रूप से अमरीकी अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों की भावना पर निर्भर करता है। प्रबंधन ने डॉलर को कमजोर कर दिया है। पिछले करीब एक साल से भारतीय रुपया उन मुद्राओं में से एक रहा है, जिनकी कीमत डॉलर के कमजोर होने के कारण कम हुई है। आम धारणा के विपरीत, 2025 में विनिमय दर में भारी गिरावट के बावजूद, पिछले कुछ वर्षों में रुपए का वाष्र्षक अवमूल्यन केवल 3.1 प्रतिशत रहा है। पिछले 25 वर्षों में रुपए के लिए सबसे खराब 3 साल की अवधि 2011-13 थी, जिसमें ह्यटैपर टैंट्रम और डॉलर का अपने आधार पर लौटना शामिल था, जिसने डॉलर की मजबूती के दौर का भी संकेत दिया था। आज भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत है और महामारी के बाद से हमने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को बनाए रखा है। अमरीका के मुकाबले सापेक्ष मुद्रास्फीति अब 25 वर्षों में सबसे कम है और इसमें गिरावट का रुझान दिख रहा है। अमरीका के साथ जल्द ही लागू होने वाले नए व्यापार समझौते को देखते हुए, रुपए-डॉलर विनिमय दर के लिए संभावनाएं सकारात्मक दिखती हैं और यह मुद्रास्फीति के अंतर से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक के पास 700 अरब डॉलर से अधिक का अब तक का सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, जो रुपए में किसी भी अप्रत्याशित गिरावट को रोकने में सक्षम है। अमरीका की मिश्रित औसत टैरिफ दर में एकल-अंकीय से दोहरे-अंकीय स्तर तक की वृद्धि डॉलर पर ऊपर की ओर (नीचे की ओर नहीं) दबाव डालती है।

ओडीओपी योजना से 3.16 लाख लोगों को रोजगार- सचान

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के आशू मलिक ने आज कामगारों को आर्थिक संरक्षण और उनके बच्चों की शिक्षा, और समस्याओं को लेकर प्रश्न किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार की घोषणाएं धरातल पर नही उतरती है।ओडीओपी के कामगारों के लिये अलग से सुरक्षा व्यवस्था के लिए ठोस कदम उठाए जाने पर जोर दिया। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 में प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2018 में प्रारंभ की गई ह्यवन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टह्न ओडीओपी योजना ने प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों और उत्पादकों को नई पहचान दी है। यह योजना परंपरागत उत्पादों को प्रोत्साहन देने, कारीगरों को प्रशिक्षण, टूल किट और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी रूप से संचालित हो रही है।अब तक प्रदेश में 1,31,000 कारीगरों को निःशुल्क प्रशिक्षण एवं टूल किट प्रदान की गई है। सहारनपुर में 2275 लाभार्थियों को उन्नत टूल किट उपलब्ध कराई गई तथा 454 हस्तशिल्पियों को 16 करोड़ 26 लाख रुपये की मार्जिन मनी का लाभ दिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत कारीगरों को 5 लाख रुपये तक की सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

नहीं खाते नॉनवेज और चाहते हो प्रोटीन, तो सफेद चावल में मिलाकर खाएं ये एक चीज

माना जाता है कि नॉन-वेज खाना शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व देता है, हालांकि शाकाहारी लोग भी कुछ खास खाना खाकर ये जरूरी पोषक तत्व पा सकते हैं। जैसे चावल के साथ सोया जंक भी एक बेहतरीन शाकाहारी विकल्प है। यह कॉम्बिनेशन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो शाकाहारी हैं और मांसपेशियों की मजबूती या कमजोरी दूर करना चाहते है। यह मांसपेशियों को मजबूत करने और कमजोरी दूर करने में सहायक हो सकता है। चलिए जानते हैं इसके और भी फायदे

चावल .सोया चंक = पौष्टिक पावर कॉम्बो

साधारण सफेद चावल में काबोर्हाइड्रेट ज्यादा होता है, लेकिन प्रोटीन कम। वहीं सोया चंक (सोया बड़ी) में लगभग 50ः तक प्रोटीन पाया जाता है। जब दोनों को साथ खाया जाता है तो शरीर को एनर्जी भी मिलती है, पर्याप्त प्रोटीन भी मिलता है और संतुलित भोजन तैयार होता है। सोया चंक में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत और विकास में मदद करता है। जो लोग जिम जाते हैं या शारीरिक मेहनत ज्यादा करते हैं, उनके लिए यह एक किफायती और असरदार विकल्प है। बढ़ते बच्चों और किशोरों के लिए भी यह अच्छा प्रोटीन स्त्रोत हो सकता है।

शरीर की कमजोरी भी होती है दूर

अगर आपको अक्सर थकान, कमजोरी या सुस्ती महसूस होती है, तो डाइट में प्रोटीन की कमी हो सकती है। सोया चंक शरीर को लंबे समय तक तृप्त रखता है, एनर्जी लेवल बेहतर करता है और आयरन और कैल्शियम भी मिलता है। ध्यान रखें कि जिन लोगों को थायरॉइड या सोया से एलर्जी है, वे डॉक्टर से सलाह लें।।संतुलित मात्रा में ही सेवन करें (हफ्ते में 2-3 बार पर्याप्त है)।

सोया को डाइट में शामिल करने का तरीका

चावल में उबले और हल्के मसाले में पके सोया चंक मिलाकर पुलाव बनाएं। सोया चंक की खिचड़ी भी खा सकते हैं, ब्राउन राइस के साथ सोया करी भी बना सकते हैं । बच्चों के लिए बारीक काटकर वेज फ्राइड राइस में मिलाएं। चावल में सोया चंक मिलाकर खाना एक सस्ता, आसान और पौष्टिक तरीका है जिससे शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिलता है।

क्या वीगन डाइट सबके लिए सही है? जानें इस जीवनशैली में किन पोषक तत्वों पर ध्यान देना है जरूरी

आजकल वीगन डाइट का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें केवल पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, अनाज, नट्स और बीज आदि शामिल होते हैं। यह जीवनशैली आमतौर पर वे लोग अपनाते हैं जो पर्यावरण के प्रति जागरूक होते हैं। इस डाइट में सिर्फ उन चीजों को ही प्राथमिकता दी जाती है, जिनसे जानवरों को कोई हानि न हो। कुछ लोगों को लगता है कि वीगन का मतलब सिर्फ मांसाहारी चीजों का सेवन न करना है, लेकिन ऐसा नहीं है। वीगन डाइट में ऐसी कोई भी चीज नहीं खाई जाती जो जानवरों से जुड़ी होती है, जैसे डेयरी प्रोडक्ट (दूध, दही, पनीर) और शहद आदि। अब जो लोग इस डाइट का पालन करते हैं उन्हें आमतौर पर वीगन कहा जाता है। ऐसे में वीगन लोगों के पास पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थ का सबसे अच्छा विकल्प होता है। यही वजह है कि वीगन डाइट अपनाना इतना आसान नहीं होता है और यह सबके लिए उपयुक्त भी नहीं हो सकती। इस डाइट का पालन करने से शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, क्योंकि पौधों-आधारित आहार में कुछ जरूरी पोषक तत्व कम मात्रा में पाए जाते हैं। आइए, इस लेख में हम विस्तार से जानेंगे कि वीगन डाइट अपनाने से पहले हमें किन महत्वपूर्ण पोषक तत्वों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। वीगन डाइट फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो पाचन, त्वचा और इम्यूनिटी के लिए फायदेमंद है। हालांकि, इसमें कुछ महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन इ12, आयरन, कैल्शियम और ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी हो सकती है। बिना सही योजना के यह डाइट पोषण की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। अब आइए जानते हैं कि किन पोषक तत्वों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। विटामिन इ12 मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है, और इसकी कमी से थकान, एनीमिया और तंत्रिका तंत्र की समस्याएं हो सकती हैं। वीगन डाइट अपनाने वालों को फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ जैसे नॉन-डेयरी दूध, न्यूट्रीशनल यीस्ट या इ12 सप्लीमेंट्स लेने चाहिए। आयरन की कमी से एनीमिया हो सकती है। वीगन डाइट में पालक, दाल, कद्दू के बीज और क्विनोआ जैसे आयरन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। साथ में विटामिन उ युक्त फल, जैसे संतरा, आयरन के अवशोषण को बढ़ाते हैं, इसलिए इन्हें में डाइट में शामिल करें। हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम और विटामिन ऊजरूरी हैं। वीगन डाइट में फोर्टिफाइड पौधे-आधारित दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां, बादाम और तिल के बीज कैल्शियम प्रदान करते हैं। ओमेगा-3 हृदय और मस्तिष्क के लिए बहुत जरूरी है। अलसी के बीज, चिया सीड्स, अखरोट और हेम्प सीड्स इसके अच्छे स्त्रोत हैं।

ये सभी चीजें आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके मस्तिष्क के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अस्वीकरणः की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेर्शों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है बुरा असर, डिप्रेशन के इन लक्षणों को पहचानकर ऐसे करें बचाव

इन दिनों बढ़ता वर्क प्रेशर और भावनाओं पर कंट्रोल की कमी के कारण तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में हर समय सोचना, नींद न आना, भूख का अचानक से बढ़ जाना या घर जाना इसके संकेत होते हैं। यह डिप्रेशन के शुरूआती लक्षण होते हैं।

आज के समय में छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक हर उम्र के लोग डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। आसपास फैली निगेटिविटी की वजह से लोगों को तनाव हो रहा है। आधुनिकता के इस दौर में लोगों का लाइफस्टाइल बिगड़ चुका है। विश्व भर में करीब 300 मिलियन लोग डिप्रेशन की समस्या से गस्त हैं। इसलिए हर व्यक्ति को न सिर्फ फिजिकली बल्कि मेंटली भी फिट होना जरूरी है। हर व्यक्ति के जीवन में विपरीत परिस्थितियां जरूर आती हैं। जब आप उन परिस्थितियों के हिसाब से नहीं ढल पाते हैं, तो व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। इन दिनों बढ़ता वर्क प्रेशर और भावनाओं पर कंट्रोल की कमी के कारण तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में हर समय सोचना, नींद न आना, भूख का अचानक से बढ़ जाना या घर जाना इसके संकेत होते हैं। यह डिप्रेशन के शुरूआती लक्षण होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डिप्रेश के संकते और इससे बचने के उपाय के बारे में बताने जा रहे हैं।

मजबूत रिलेशनशिप बनाएं

अकेलापन तनाव का कारण बनने लगता है। अकेलापन व्यक्ति को अंदर ही अंदर मानसिक रूप से खोखला बना देता है। ऐसे लोगों को हर व्यक्ति में सिर्फ कमियां नजर आती हैं। जोकि उनके झुंझलाहट की वजह होती है। खुद को डिप्रेशन से बाहर निकालने के लिए लोगों में मजबूत बॉन्डिंग बनाने की कोशिश करें। दूसरों पर विश्वास करना सीखें। इससे आपके पर्सनल रिश्ते में भी मजबूती आएगी। इंटरैक्टिव बनना सीखें अपने विचारों को लिखने के साथ-साथ उनको एक्सप्रेस भी करें। जो भी आप महसूस करते हैं, उसको जाहिर होने दें। दिन भर में कुछ समय दोस्तों से बातचीत करें। अपने परिवार के साथ समय बिताएं, बच्चों के साथ खेलें और उनके विचारों को जानें। इन चीजों से आपका तनाव खुद ब खुद दूर होने लगेगा। साथ ही अभिव्यक्ति आपके अंदर के डर को खत्म करने सुकून पहुंचाएगी। इससे आपकी मेंटल हेल्थ भी सही रहेगी। फिजिकली एक्टिव सिडेंटरी लाइफस्टाइल को छोड़कर कुछ समय एक्सरसाइज के लिए भी निकालना चाहिए। इससे न सिर्फ आप चिंतामुक्त हो पाते हैं, बल्कि आप फिजिकली भी फिट रहते हैं। दिनभर में वॉक के साथ ही योगासन और हाई इंटसिटी एक्सपरसाइज को भी शामिल करें। अपनी पसंदीदा एक्टिविटी आपको तनाव जैसी समस्या से बाहर निकालने में मदद करेगा। इसके साथ ही आप डांसिंग और एरोबिक्स कर सकते हैं, यह भी मेंटल हेल्थ के लिए लाभकारी है। पूरी नींद लेना है जरूरी नींद न आना खराब लाइफस्टाइल का संकेत है। अगर आपको मेडिकल रीजन या कैफीन इनटेक की वजह से नींद नहीं आती है, तो आपको अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव लाना चाहिए। करीब 6 से 8 घंटे की नींद लेना जरुरी है। इससे तनाव खुद ब खुद दूर होने लगता है। इससे आलस और बार-बार झपकी आने की समस्या भी कम हो सकती है। रात को खाना खाने के बाद वॉक करना जरूरी है। इससे न सिर्फ कैलोरीज बर्न होती हैं, बल्कि थकान से भी नींद आने लगती है। ज्यादातर वह लोग जो दिनभर कोई काम न करते हुए समय बिताते हैं, उन लोगों को नींद न आने की दिक्कत से दो चार होना पड़ता है। हेल्दी डाइट स्लिम होने के लिए अगर आप मील को स्किप करते हैं, तो यह डिप्रेशन की वजह साबित होता है। ऐसे में सभी पोषक तत्वों को लेना जरूरी होता है। पौष्टिक तत्वों की कमी शरीर में थकान, कमजोरी और अनिद्रा की वजह बनती है। इससे चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है, जोकि डिप्रेशन की समस्या को बढ़ा देता है। मेंटली रूप से स्वस्थ रहने के लिए मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

अगर दिखने लगे ये संकेत, तो समझिए भोलेनाथ है आप पर मेहरबान

कई लोग मानते हैं कि जब जीवन में कुछ खास अनुभव होने लगते हैं, तो वह ईश्वरीय कृपा का संकेत हो सकता है। भगवान शिव से जुड़ी आस्था में भी कुछ ऐसे संकेत बताए जाते हैं, जिन्हें लोग उनकी उपस्थिति या आशीर्वाद से जोड़ते हैं। अगर आपके जीवन में शांति, साहस और विश्वास बढ़ रहा है, तो इसे शिव कृपा मानकर आभार व्यक्त करें। चलिए जानते हैं शुभ संकेतों के बारे में

बार-बार ओमः नमः शिवायह्व सुनाई देना या मन में गूंजना

अगर बिना कोशिश के आपके मन में शिव मंत्र बार-बार आने लगे, या आसपास यह मंत्र अक्सर सुनाई दे, तो इसे शिव कृपा का संकेत माना जाता है। कहा जाता है, जब मन खुद शिव का जाप करने लगे, तो समझिए बुलावा आया है। अचानक शिव मंदिर जाने का मन करना, बेलपत्र चढ़ाने की इच्छा होना या शिव भजन सुनने में रुचि बढ़ना यह भी आध्यात्मिक जुड़ाव का संकेत माना जाता है।

सपने में शिवलिंग, गंगा या चंद्रमा दिखना

सपनों में शिवलिंग, हिमालय, गंगा नदी या चंद्रमा दिखाई देना शुभ संकेत माना जाता है। यह मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक माना जाता है। शिव जी के गले में सर्प विराजमान हैं। इसलिए कुछ लोग मानते हैं कि अगर सांप दिखे और वह नुकसान न पहुंचाए, तो यह भी शुभ संकेत हो सकता है। हालांकि इसे अंधविश्वास न बनाएं सावधानी हमेशा जरूरी है।

सोमवार को विशेष शांति या सकारात्मक घटनाएं

सोमवार शिव जी को समर्पित दिन माना जाता है। अगर इस दिन आपके काम आसानी से बनने लगें या मन में अलग ही शांति महसूस हो, तो इसे शिव कृपा का संकेत माना जाता है। जब जीवन में मुश्किलें हों लेकिन भीतर से एक भरोसा बना रहे कि ह्लसब ठीक होगाह्व, तो इसे भी शिव की ऊर्जा का साथ माना जाता है। शिव का अर्थ ही है, कल्याण।

इन बातों को रखें ध्यान में

ये संकेत आस्था और विश्वास से जुड़े होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है सकारात्मक कर्म करें, सच्चाई और धैर्य अपनाएं, जरूरतमंदों की मदद करें क्योंकि माना जाता है कि भगवान शिव भक्ति से ज्यादा भाव और कर्म को महत्व देते हैं। सच्ची भक्ति का अर्थ है मन की पवित्रता और दूसरों के लिए करुणा।

जो उचित है वही करो

नरेन्द्र मोदी सरकार में संसद सत्र के सुचारू रूप से न चलने के लिए विपक्ष को कई तरह से जिम्मेदार ठहराया जाता है। कभी सदन में हंगामा करने, कभी संसदीय परंपराओं का पालन न करने या मुद्दों से भटकाने के आरोप कई बार विपक्षी सांसदों पर लगाए गए और उन्हें निर्लबित भी किया गया। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में ही कम से कम सौ सांसदों के निलंबन का रिकार्ड बना है। लेकिन अब केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजीजू ने एक बेहद गंभीर आरोप कांग्रेस सांसदों पर लगाया है। श्री रिजीजू का कहना है कि श्कम से कम 20-25 कांग्रेस सांसद लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में घुस गए और उनके साथ गाली-गलौज की। जी हां, यही शब्द किरण रिजीजू ने इस्तेमाल किए। उनका कहना है कि मैं भी वहीं था और जो गालियां कांग्रेस सांसदों ने दी, वो मैं बता भी नहीं सकता। श्री रिजीजू ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष इससे बहुत आहत हैं। वे बहुत नरम इंसान हैं, नहीं तो सख्त कार्रवाई की जाती। इसके बाद किरण रिजीजू ने यह भी कहा कि हमारे कोई सांसद ऐसा व्यवहार करते तो हम उन्हें रोकते, लेकिन उस वक्त प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी अंदर मौजूद थे, और वे उन्हें लड़ने के लिए उकसा रहे थे। पाठक जानते हैं कि पिछले बुधवार ओम बिड़ला ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस की महिला सांसद लोकसभा में प्रधानमंत्री के बैठने की जगह को घेरे हुई थीं और वो उन पर हमला करने की तैयारी में थीं, इसलिए प्रधानमंत्री को लोकसभा में आने से मना किया गया। अब ये नया आरोप कांग्रेस सांसदों पर लगा है कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के साथ ही दुर्व्यवहार किया। अगर इन आरोपों में सच्चाई है तो फिर भाजपा सरकार या ओम बिड़ला किस बात का इंतजार कर रहे हैं, अब तक कोई कठोर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। क्या लोकसभा अध्यक्ष के कमरे में सीसीटीवी नहीं लगा है, जहां सब कुछ देखा जा सके। ओम बिड़ला को कांग्रेस सांसदों ने कथित तौर पर जो गालियां दीं, उस घटना को देश ने अब तक न देखा न सुना है। लेकिन संसद के भीतर जब भाजपा के तत्कालीन सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा के तत्कालीन सांसद दानिश अली को अपशब्द कहे थे, उसे लोकसभा अध्यक्ष समेत पूरे देश ने देखा और सुना था। तब बिड़ला साहब आहत होने से कैसे चूक गए, इसका जवाब उन्हें देना चाहिए। जहां तक सवाल उनके नरम इंसान होने का है, तो वह व्यक्तिगत तौर पर चाहे जैसे हों, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष की आसंदी पर केवल निष्पक्ष होने की जरूरत है, जो अक्सर वे नजर नहीं आते हैं। किरण रिजीजू ने लोकसभा अध्यक्ष के बचाव में यह भी कहा कि उन्होंने एक नियम बताया, जिसका पालन नहीं हुआ और फिर राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें बोलने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। वह अपनी मर्जी से बोलेंगे, बिना किसी नियम के...जबकि यह आधा सच है। राहुल गांधी ने सदन में कहा था कि आप यह नहीं कह सकते कि आपको बोलने की इजाजत दी जा रही है। विपक्ष का नेता होने के नाते यह मेरा हक है। इसमें राहुल गांधी ने आसंदी की अवहेलना नहीं की थी, केवल निर्वाचित सांसद का अधिकार बताया था। दरअसल पूरी मोदी सरकार इस समय बुरी तरह घिरी हुई है। अमेरिका से व्यापार सौदे का सच और एपस्टीन मामले में नाम उछलने के बाद जनता के सामने अपनी छवि बचाने की कोशिश भाजपा कर रही है और इसके लिए उसे यही तरीका समझ आ रहा है कि किसी भी तरह कांग्रेस की लकीर छोटी की जाए। इसलिए कभी प्रधानमंत्री पर हमले की साजिश, कभी लोकसभा अध्यक्ष को गालियों के आरोप लगाए जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने उठाया ओबीसी छात्रवृत्ति का मामला

लखनऊ,(संवाददाता)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के महेंद्र नाथ यादव ने ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति का मामला उठाया। उन्होंने आय सीमा दो लाख रुपये को बढ़ाकर पांच लाख किये जाने पर जोर देते हुए सरकार से बढ़ाने को लेकर सवाल किया, जिसे मंत्री ने इंकार करते हुए कहा दो लाख ही रहेगी।नेता प्रतिपक्ष माताप्रसाद पांडे ने कहा, तमाम बच्चों को बजट न होने की बात कहकर छात्रवृत्ति नही दी जाती। इसपर मंत्री ने कहा,धन की कोई कमी नहीं, ओबीसी के सभी छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलेगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक हितों की पूरी गंभीरता से चिंता कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 2 लाख रुपये निर्धारित है, जिसे पूर्व सरकार के समय 1 लाख रुपये से बढ़ाया गया था, और सरकार इसे निरंतर जारी रखे हुए है।मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि 2023-24 से प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के एक भी पात्र छात्र-छात्रा को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रखा गया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार केवल घोषणाओं पर नहीं, बल्कि धरातल पर कार्य करने में विश्वास रखती है।

अभिषेक की जगह ओपनिंग करेंगे संजू, क्या ईशान भी होंगे बाहर? टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ीं

नई दिल्ली। भारत ने सात फरवरी को यूएसए के विरुद्ध 29 रन से जीत दर्ज की थी। नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के बाद भारतीय टीम 15 फरवरी को पाकिस्तान से भिड़ेगी, जिसके बाद 18 फरवरी को उसका सामना नीदरलैंड से होगा। मौजूदा चैंपियन भारत को गुरुवार को दिल्ली में होने वाले टी20 विश्व कप मैच में नामीबिया से किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पेट के संक्रमण और ईशान किशन को अभ्यास सत्र में लगी चोट के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम प्रबंधन चिंतित होगा, क्योंकि इससे उनकी योजनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में वानखेड़े की चिपचिपी पिच पर बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। अब उन्हें अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आक्रामक खेल दिखाना चाहेगा, जिसे बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन पिच कहा जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ भारत का पलड़ा बहुत भारी है जिसकी टीम इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इस तरह से देखा जाए तो भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले यह मैच अभ्यास मैच की तरह है। भारत अगर टॉस जीतता है तो वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेगा ताकि उसके बल्लेबाजों को पर्याप्त अवसर मिल सके। नामीबिया का गेंदबाजी आक्रमण खास नहीं है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रही कोई भी टीम उसको छठी का दूध याद दिला सकती है। अभिषेक के पेट में संक्रमण की समस्या भारत के लिए चिंताजनक था। हालांकि, अब उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है। पर ठीक होने के तुरंत बाद खिलाने का जोखिम टीम मैनेजमेंट नहीं उठाना चाहेगा। पर हम सब अभिषेक के जुझारूपन से भलीभांति वाकिफ हैं। वह एक फाइटर खिलाड़ी माने जाते हैं जो चुनौतियों से नहीं डरते। ऐसे में वह मैनेजमेंट को मनाकर मैदान पर उतर जाएं तो हमें आश्चर्य नहीं होगा। हालांकि, रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बड़े मैच से पहले उन्हें पूरी तरह से ठीक होने का मौका देने के लिए मैदान पर उतारना उचित नहीं होगा, क्योंकि उस मैच में अभिषेक की मौजूदगी विपक्षी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती साबित होगी। नामीबिया के खिलाफ मैच खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि लगातार असफलताओं के चलते उन्हें अपनी जगह ईशान किशन के हाथों गंवानी पड़ी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं। ईशान किशन को भी लगी चोट हालांकि, समस्या ईशान के साथ भी है। बुधवार को ईशान किशन को ऑप्शनल प्रैक्टिस सेशन के दौरान जसप्रीत बुमराह की तेज यॉर्कर लगने से पैर के अंगूठे में चोट लग गई। ईशान किशन नेट्स में सबसे पहले पैड पहनकर आए थे, लेकिन अपने सेशन की शुरूआत में ही, बुमराह की एक यॉर्कर उनके बाएं पैर में लगी, जिससे उन्हें बहुत दर्द हुआ। इसके बाद सपोर्ट स्टाफ ने उनका बायां पैड और जूता खोला। ईशान दर्द में नजर आ रहे थे। इस बीच फिजियो के आकलन के दौरान बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने भी उनकी चोट को जांचा। कुछ मिनट बाद, किशन ने नंगे पैर चलने की कोशिश की, लेकिन वह लंगड़ा रहे थे। हालांकि, वह ऐसे संकेत दे रहे थे कि चोट उतनी गंभीर नहीं थी जितनी शुरू में डर था। पांच मिनट के अंदर, किशन ने अपना जूता वापस पहना, फिर से पैड पहने और कुछ गेंदों का सामना करने के लिए वापस आए। वह थोड़ा असहज दिखे और फिर एक बार बाहर निकले और एक स्टाफ मेंबर के साथ ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए। यह स्पष्ट नहीं था कि उन्होंने एहतियातन नेट्स जल्दी छोड़ दिया या बस टीम के साथी संजू सैमसन को बैटिंग का समय दे दिया। संजू को लेकर कोच डेशकाटे का बयान मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने कहा, 'संजू अच्छा महसूस कर रहे हैं और चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में अपनी भूमिका को समझ रहे हैं। वह एक नेक इंसान हैं, टीम के साथ उनका व्यवहार अच्छा है, वह अच्छी तरह से अभ्यास कर रहे हैं और टीम में हम सभी से यही उम्मीद करते हैं।' अगर ईशान और अभिषेक दोनों ही नहीं खेलते हैं, तो टीम मैनेजमेंट के लिए बड़ी समस्या होगी। ऐसे में टीम संजू और वॉशिंगटन सुंदर से ओपनिंग करा सकता है। भारत की मजबूत बल्लेबाजी को रोकना नामीबिया के लिए कड़ी चुनौती होगी। उनके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या की गेंदों का सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण होगा। नामीबिया के शीर्ष छह बल्लेबाजों में से केवल ऑलराउंडर जेजे स्मिट का स्ट्राइक रेट 140 से अधिक है। चक्रवर्ती का सामना करना नामीबिया की टीम के लिए बहुत बड़ी चुनौती हो सकती है क्योंकि वे आमतौर पर इतने उच्च स्तर के गेंदबाजों का सामना नहीं करते हैं। भारत-ए के खिलाफ नामीबिया 100 के अंदर आउट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की कार्यक्रम बनाने वाली टीम ने यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान के खिलाफ व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मैच को छोड़कर भारत के लीग चरण के बाकी मैच ऐसी टीमों के खिलाफ हों जो इस प्रारूप में भारत की ए, बी या सी टीम से भी हार जाएंगी। टूर्नामेंट से पहले एक अभ्यास मैच में भारत ए ने नामीबिया को 100 से कम रन पर आउट कर दिया था। अगर पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कुछ गड़बड़ भी हो जाए तब भी भारत सुपर आठ में पहुंच जाएगा, जहां असली परीक्षा शुरू होगी। वहां भी ग्रुप इस तरह से तैयार किए गए हैं कि अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है तो उसे न तो ऑस्ट्रेलिया और न ही दक्षिण अफ्रीका का सामना करना पड़ेगा। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 भारत की संभावित प्लेइंग-11: संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह। नामीबिया की संभावित प्लेइंग-11: लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्रायलिंक, जान निकोल लॉफ्टी-ईटन, गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, जेन ग्रीन (विकेटकीपर), डिलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, विलेम मिबर्ग, बर्नार्ड शोल्ट्ज, मैक्स हिंगो।

हमें दूधिया रोशनी में ट्रेनिंग करने नहीं दिया गया नामीबियाई कप्तान ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरैसमस ने आरोप लगाया कि भारत से मुकाबले से पहले उन्हें दूधिया रोशनी में अभ्यास का मौका नहीं दिया गया, जबकि दूसरी टीमों को मिला। बुनियादी ढांचे की कमी को चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि टीम अपनी शैली में लड़ने के लिए तैयार है। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरैसमस ने बुधवार को आयोजकों पर तंज कसा कि उन्हें भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच से पहले रात में दूधिया रोशनी में ट्रेनिंग नहीं करने दी। नामीबिया ने सोमवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ दिन का मैच खेला था और अगले दो दिन उनके दोनों ट्रेनिंग सत्र केवल

दिन में रखे गए। इसके विपरीत भारत ने मैच से पहले दो बार रात में अभ्यास किया। नामीबिया के पास स्वदेश में दिन-रात्रि मैच के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा नहीं है तो वे भारत के खिलाफ बृहस्पतिवार को होने वाले मैच से पहले दूधिया रोशनी में कुछ अभ्यास करना पसंद करते। इरैसमस ने कहा, 'हां, हमें इस मैच से पहले रात का ट्रेनिंग सत्र नहीं दिया गया, मुझे नहीं पता क्यों। भारत को शायद दो रात के सत्र दिए गए और अब बाहर देख रहा हूं कि कनाडा को अब रात का ट्रेनिंग सत्र मिलेगा। आप इसका मतलब जो समझें, लेकिन हम अपनी नामीबियाई शैली में आएंगे जो चुनौती से लड़ना है।' कनाडा शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ दोपहर का मैच खेलेगा। उसने फिरोजशाह कोटला मैदान में भारतीय टीम के साथ अभ्यास किया। इरैसमस ने कहा, 'हमारे पास दिन रात्रि मैच के लिए नामीबिया में दूधिया रोशनी नहीं है। बुनियादी ढांचे के हिसाब से यह हमारे लिए चुनौती है। उन खिलाड़ियों के लिए जिनके पास अनुभव नहीं है, उनके लिए यह आम बात नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि नेपाल प्रीमियर लीग, आईएलटी20 और हमने जो विश्व कप खेले हैं, उन्हें छोड़कर ज्यादातर खिलाड़ी दूधिया रोशनी के नीचे ट्रेनिंग करने के अभ्यस्त नहीं होते।' नामीबिया अपने पहले मैच नीदरलैंड्स के खिलाफ हार गया था। और अब बचे हुए लीग मैच अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। ये दोनों मैच दोपहर तीन बजे शुरू होंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ हार के बाद इंग्लिश टीम की स्पिन खेलने की क्षमता पर उठे सवाल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रुक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो जानें उन्होंने क्या जवाब दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो, लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रुक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता।' ब्रूक ने इसके बजाय टी20 विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ उस सीरीज ने यह साबित कर दिया। मुझे लगा कि हमने वहां स्पिन गेंदबाजी का बहुत अच्छी तरह से सामना किया। उन्होंने (वेस्टइंडीज की) गेंदबाजी अच्छी की। उन्होंने पूरे समय खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी। हमने एक साथ कई विकेट गंवाए, जिससे हमेशा नुकसान होता है।' इस बीच वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप इस बात से काफी खुश थे कि उनकी टीम ने टूर्नामेंट में अब तक दोनों मैच अच्छी तरह से जीते हैं। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि हमारा स्कोर औसत के आसपास ही रहा हो, लेकिन फिर भी कुछ रन बनाने से हम खुश हैं। यह विश्व कप का मैच है और इसमें 10-20 रन अतिरिक्त बन सकते थे। इसलिए हमारे लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हम अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करें और फिर गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करें।

भारत-पाकिस्तान मैच के बहाने सुलह? 15 फरवरी को आमने-सामने होंगे पांच एशियाई क्रिकेट बोर्ड प्रमुख

दुबई। भारत-पाकिस्तान मैच के मौके पर आईसीसी ने एशिया की पांच क्रिकेट ताकतों के प्रमुखों की बैठक बुलाई है। बहिष्कार के खतरे और आर्थिक नुकसान की आशंका के बाद पाकिस्तान ने रुख बदला। अब कोलंबो में होने वाली बातचीत से रिश्ते सुधारने और टूर्नामेंट को स्थिर रखने की उम्मीद है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच चले विवाद के बाद अब आईसीसी डैमेज कंट्रोल मोड में दिख रहा है। 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान एशिया की पांच बड़ी क्रिकेट ताकतों के प्रमुखों को एक साथ बैठाकर बातचीत कराने की योजना बनाई गई है। मकसद साफ है, तनाव कम करना और क्रिकेट कूटनीति के जरिए रिश्तों को पटरी पर लाना। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच मैच देखने के लिए कोलंबो जाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ उनके संबंध सुधरेंगे। बीसीबी प्रमुख ने खोला राज बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने स्थानीय अखबार द्यप्रथम आलोद्ध को बताया कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ से निमंत्रण मिला है। अमीनुल ने कहा, 'आईसीसी के प्रमुख हितधारक पांच एशियाई देश हैं और वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें।' भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। अमीनुल के मुताबिक, वर्ल्ड कप से ठीक पहले तीनों देशों के रिश्ते बेहद तल्ख हो गए थे। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा, 'आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।' यू-टर्न के पीछे कूटनीति आईसीसी की यह पहल ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच के बहिष्कार की अपनी पुरानी घोषणा से आखिरी वक्त में पलटी मारी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रिकेट कूटनीति और आर्थिक असर को देखते हुए यह फैसला बदला गया। अमीनुल इस्लाम का दावा है कि पाकिस्तान बहिष्कार के लिए तैयार था और उन्हें खुद पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी को समझाना पड़ा। भारत-पाकिस्तान मैच को दुनिया के सबसे कमाऊ मुकाबलों में गिना जाता है, जिससे करीब 250 मिलियन डॉलर के प्रसारण राजस्व की बात होती है। बांग्लादेश ने दलील दी कि अगर यह मैच नहीं हुआ, तो नुकसान सिर्फ एक देश का नहीं, पूरे क्रिकेट जगत का होगा। 'पूरे टूर्नामेंट से हटने' की चेतावनी बीसीबी प्रमुख ने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप से पूरी तरह हटने की धमकी तक दे दी थी। अगर ऐसा होता और बांग्लादेश भी किनारे रहता, तो टूर्नामेंट की सबसे कीमती टक्करें खतरे में पड़ जातीं। इससे ब्रॉडकास्ट डील और कमर्शियल समझौतों पर दूरगामी असर पड़ सकता था। आखिरकार नौ फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने रुख बदला। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि दोस्त देशों की अपील और बहुपक्षीय बातचीत के नतीजों ने फैसले को प्रभावित किया। बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई जैसे देशों के आग्रह का भी जिक्र हुआ। रहमान को बाहर करने से शुरू हुआ था विवाद बीसीसीआई और बीसीबी के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब भारतीय बोर्ड ने कुछ अज्ञात परिस्थितियों के चलते बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल अनुबंध से बाहर करने का आदेश दिया। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह कदम बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हिंसा से प्रेरित था जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए विश्व कप मैचों के लिए भारत आने से इनकार कर दिया।

आईसीसी पर भेदभाव करने का आरोप लगाने वाले नासिर हुसैन को श्रीकांत ने भी लताड़ा

चेन्नई। नासिर हुसैन के आईसीसी पर भेदभाव के आरोप के बाद क्रिस श्रीकांत ने 2003 विश्व कप का हवाला देकर पलटवार किया। उन्होंने दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए, भारत के प्रभाव को स्वाभाविक बताया और पाकिस्तान के खेलने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि खेल राजनीति से ऊपर रहना चाहिए। पाकिस्तान के टी20 विश्व कप 2026 से जुड़े विवाद पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन की विवादित टिप्पणी के बाद भारतीय क्रिकेट के पूर्व सलामी बल्लेबाज

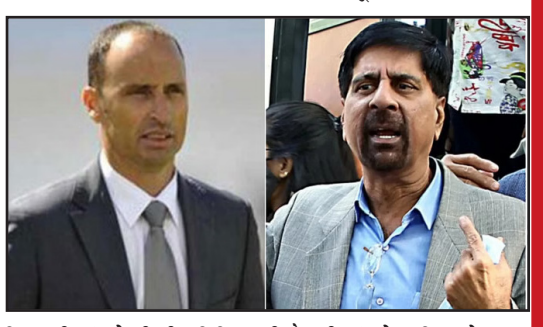

क्रिस श्रीकांत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। श्रीकांत ने नासिर को साल 2003 की याद दिलाते हुए कहा कि जब उनकी टीम को फायदा मिला था, तब उन्हें भेदभाव का क्यों नहीं याद आया था। नासिर ने बहिष्कार विवाद पर पाकिस्तान और बांग्लादेश का समर्थन किया था और कहा था कि ये अच्छा है। साथ ही नासिर ने भारत को भी इस मामले में घसीटा था और कहा था कि जो डिमांड बांग्लादेश ने किया, अगर वही बीसीसीआई करता तो क्या आईसीसी का फैसला वही होता जो अभी दिया। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, '2003 विश्व कप के दौरान नासिर हुसैन इंग्लैंड के कप्तान थे। इंग्लैंड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जिम्बाब्वे और केन्या जाने से इनकार कर दिया था। उस फैसले के चलते इंग्लैंड को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा और केन्या क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। उस समय इंग्लैंड ने अपने फैसले लिए थे। अब वे सवाल क्यों उठा रहे हैं? आपका एक नियम है और हमारा एक नियम, ऐसा नहीं चल सकता।' श्रीकांत का पाकिस्तान पर बयान उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी की आय का बड़ा हिस्सा भारतीय दर्शकों से आता है, इसलिए भारत को कुछ मामलों में प्रभावशाली माना जाता है। हर दौर में किसी न किसी टीम का प्रभाव रहता है। उस समय इंग्लैंड का दबदबा था, आज भारत का है। श्रीकांत ने पाकिस्तान के भारत के साथ खेलने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, 'मुझे खुशी है कि पाकिस्तान खेलने के लिए तैयार हो गया है। यह विश्व क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। भारत-पाकिस्तान मुकाबला सिर्फ खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों की भावनाओं से जुड़ा होता है।' उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान मैच नहीं खेलता तो उसे सबसे अधिक नुकसान होता। ऐसे फैसलों से किसी एक देश को अलग-थलग पड़ने का खतरा रहता है, इसलिए खेल को राजनीति से ऊपर रखना जरूरी है। क्या बोले थे नासिर हुसैन? यह विवाद तब शुरू हुआ जब बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच का बहिष्कार करने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, बाद में पाकिस्तान सरकार ने अपना रुख बदलते हुए टीम को खेलने की अनुमति दे दी। नासिर हुसैन ने इस पूरे घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट में सवाल उठाया था कि क्या आईसीसी सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार करता है? उन्होंने कहा, 'अगर भारत किसी टूर्नामेंट से एक महीने पहले कह देता कि हमारी सरकार हमें किसी देश में खेलने नहीं देगी, तो क्या आईसीसी उतना ही सख्त रहता? हर कोई सिर्फ एक चीज चाहता है, समानता।

श्रीलंका ने ओमान को 105 रन से हराया: टी20 कमें अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, कप्तान शनाका ने बनाया रिकॉर्ड

पल्लेकेले। श्रीलंका ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 225 रन बनाए। मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जवाब में ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। श्रीलंका ने पल्लेकेले में खेले गए टी20 विश्वकप 2026 के 16वें मैच में ओमान को 105 रन से हरा दिया है। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2007 में श्रीलंका ने केन्या को जोहानिसबर्ग में 172 रन से शिकस्त दी थी। वहीं, कप्तान दासुन शनाका ने भी टी20 में श्रीलंका के लिए सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान का नंबर आता है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका के सुपर-8 में पहुंचने की उम्मीदें प्रबल हो गई हैं। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। श्रीलंका की पारी श्रीलंका ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 225 रन बनाए। मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। उनके अलावा जय ओडेरा और सुफयान महमूद ने एक एक विकेट लिया। महमूद ने हालांकि अपने चार ओवर में 60 रन लुटाए। मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें ओवर में तेज गेंदबाज जितेन रामानंदी पर पारी का पहला छक्का लगाया और सुफयान महमूद को लगातार तीन चौके लगाकर यह अपना अर्धशतक पूरा किया। रत्नायके और मेंडिस ने केवल 52 गेंद पर 94 रन की साझेदारी की। मेंडिस ने भी अपना लगातार दूसरा और कुल मिलाकर 19वां अर्धशतक लगाया। उनकी पारी में सात चौके शामिल हैं। वह आखिरी ओवर से ठीक पहले रन आउट हो गए। इस टूर्नामेंट से पहले रन बनाने के लिए जूझ रहे शनाका ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया और केवल 19 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया जो श्रीलंका की तरफ से टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। इससे पहले भी श्रीलंका की तरफ से सबसे तेज टी20 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड शनाका के नाम ही था। दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 2023 में पुणे में भारत के खिलाफ 20 गेंद पर अर्धशतक लगाया था। शनाका ने अपनी पारी में दो चौके और पांच छक्के लगाए। शनाका ने नदीम खान पर चौका और लगातार दो छक्के लगाए और फिर सुफयान महमूद पर लगातार छक्के जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया। शनाका और मेंडिस 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर आउट हो गए। कामिंदु मेंडिस (नाबाद 19) ने शाह फैसल को लगातार दो छक्के लगाकर पारी का शानदार अंत किया। श्रीलंका ने आखिरी चार ओवरों में 65 रन बनाकर मौजूदा संस्करण में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

बस खेलना नहीं, जीतना है रोहित का मिशन 2027 वर्ल्ड कप, क्या अधूरा सपना पूरा कर पाएंगे हिटमैन

मुंबई। रोहित शर्मा ने कहा है कि वह 2027 वनडे विश्व कप सिर्फ खेलने नहीं, बल्कि देश के लिए जीतने उतरना चाहते हैं। 2023 फाइनल की हार उनकी प्रेरणा है। फिटनेस पर मेहनत और अनुभव के दम पर वह अधूरा सपना पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं। टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जिताने वाले रोहित शर्मा के दिल में वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल में हारने का दर्द अब भी चुभता है। अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार ने उस ट्रॉफी को उनके लिए अधूरा सपना बना दिया है। अब रोहित खुलकर कह रहे हैं कि अगला लक्ष्य सिर्फ खेलना नहीं, जीतना है। 'देश के लिए ट्रॉफी चाहिए' आईसीसी के एक कार्यक्रम में रोहित ने साफ कर दिया कि 2027 उनके करियर का बड़ा मिशन होगा। उन्होंने कहा, 'मैं 50 ओवर का विश्व कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। वही सबसे बड़ा मंच था। मैं सच में वह ट्रॉफी चाहता हूं और उसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा। मैं वहां जाकर अपने देश के लिए विश्व कप जीतना चाहता हूं।' यह बयान बताता है कि रोहित के लिए यह सिर्फ टूर्नामेंट नहीं, बल्कि अधूरी कहानी का अगला अध्याय है। उम्र पर सवाल, जवाब फिटनेस से टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद कई लोगों ने मान लिया था कि 2027 तक रोहित का सफर मुश्किल होगा, लेकिन पिछले महीनों में उन्होंने फिटनेस पर जबरदस्त काम किया, वजन घटाया और मैदान पर नई ऊर्जा के साथ लौटे। न्यूजीलैंड के खिलाफ भले रन नहीं बने, मगर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी ने फिर याद दिलाया कि बड़े मंच के खिलाड़ी अब भी जिंदा हैं। अनुभव का पहाड़ रोहित सिर्फ इरादों से नहीं, आंकड़ों से भी दमदार हैं।

भारत-अमेरिका कृषि समझौते के खिलाफ किसानों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

लखनऊ,(संवाददाता)। भारत,अमेरिका कृषि समझौते के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय लखनऊ में किसानों ने प्रदर्शन किया। ह्लमेरा खेत मेरा अधिकारह्व के नारे के साथ भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसान धरना-प्रदर्शन जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बैठ गए। वह डीएम विशाख जी. का इंतजार किया। उन्हीं को केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का ज्ञापन देने के लिए काफी देर तक बैठे रहे। उनका कहना था कि हम लोग गांव इतनी दूर आ गए और डीएम साहब कमरे से नहीं निकल पा रहे हैं। हम उन्हें अपना ज्ञापन देकर ही यहां से लौटेंगे।वाइस सिटी इंचार्ज ज्ञानचंद गुप्ता ज्ञापन लेने पहुंचे, लेकिन किसानों ने मना कर दिया। उनका कहना है कि जिलाधिकारी आएंगे तभी ज्ञापन दिया जाएगा।किसानों का कहना है कि अगर डीएम साहब नहीं आएंगे.... तो हम ज्ञापन नहीं देंगे... जब वह (डीएम) यहां पर बैठे हुए हैं, उसके बाद भी नहीं आ रहे हैं तो हम लोग यही समझेंगे कि वह किसान विरोधी हैं। किसानों का आरोप है कि भारत-अमेरिका कृषि समझौता देश के छोटे और मझोले किसानों के हितों के खिलाफ है। संगठन का कहना है कि यदि विदेशी कंपनियों को खुली छूट दी गई तो स्थानीय किसानों की जमीन, उपज और बाजार पर सीधा असर पड़ेगा।

'मेरा तो 14 फरवरी का प्लान फिक्स'; डेटिंग रूमर्स के बीच बोलीं शमिता शेट्टी;

जानिए वैलेंटाइन डे पर क्या करेंगी?

वैलेंटाइन डे आने वाला है। कपल्स अपनी प्लानिंग कर रहे हैं। इस बीच शिल्पा शेट्टी की बहन और अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने भी अपना प्लान फैंस के साथ शेयर किया है। अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने बीते दिनों अपना जन्मदिन मनाया। उनके बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज में उनके एक दोस्त की झलक दिखी। इसके बाद उनकी डेटिंग को लेकर अफवाहें शुरू हो गईं। बाद में शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को खुद खारिज किया। मगर, इस बीच उन्होंने अपना वैलेंटाइन डे प्लान शेयर किया है। बोलीं- 'मेरा तो प्लान फिक्स है' शमिता शेट्टी ने आज गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'तैयारी पूरी है'। वीडियो में एक्ट्रेस कहती दिख रही हैं, 'मेरा तो 14 फरवरी का प्लान एकदम फिक्स है। किसी भी कपल को देखूंगी तो जोर-जोर से चिल्लाऊंगी कि भाई कल वाली अच्छी थी। फिर वो जाने और उसकी बंदी जाने'। इस शख्स के साथ जोड़ा गया शमिता का नाम बता दें कि बीते दिनों अभिनेत्री शमिता की डेटिंग लाइफ को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। दरअसल, उन्होंने 02 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आईं शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा गया। ये शख्स टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा थे। हलांकि, डेटिंग को लेकर शुरू हुई अफवाहों को शमिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए खारिज कर दिया। शमिता ने क्या कहा था? दीपेश शर्मा के साथ अफेयर की अफवाहों पर शमिता ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर लिखा था, 'सिंगल और शांत। सच्ची दोस्ती को गलत तरीके से समझने वाले रूढ़िवादी बनना बंद करो। ये सरासर बकवास है'। बता दें कि शमिता ने साल 2000 में फिल्म मोहब्बतें से डेब्यू किया था।

पेड्डी मेकर्स ने जगपति बाबू को जन्मदिन पर भेजा खास संदेश, अप्पलासूरी के किरदार को बताया आकर्षण!

पेड्डी के मेकर्स ने सालार स्टार जगपति बाबू को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। जगपति बाबू इस बहुप्रतीक्षित तेलुगु स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं और इसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। 2026 की मोस्ट अवेटेड रिलीज में से एक मानी जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी एक्साइटमेंट है। फिल्म में जगपति बाबू ह्यअप्पलासूरीह्व के किरदार में नजर आएंगे। उनका रोल एक इंटेंस, चश्मा लगाए हुए और सिद्धांतों पर अडिग बुजुर्ग शख्स का है। माना जा रहा है कि अप्पलासूरी का किरदार कहानी में अहम मोड़ लाएगा और हीरो की जर्नी में बड़ी भूमिका निभाएगा।एक्टर के बर्थडे के मौके पर टीम ने पेड्डी के सेट से जगपति बाबू की एक स्ट्राइकिंग स्टिल शेयर की, जिसमें उनका पावरफुल लुक देखने को मिला। इस फोटो के जरिए फैंस को फिल्म में उनके किरदार की झलक दी गई। मेकर्स ने इस तस्वीर के साथ एक खास नोट भी शेयर किया, जिसमें लिखा था, ह्लशानदार जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं पेड्डी का गाना ह्यचिकिरीह्व रिलीज होते ही इतिहास बना गया। सिर्फ 24 घंटे में इसने 46 मिलियन व्यूज बटोर लिए और साल के सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए गए गानों में शामिल हो गया। इसके बाद गाने ने एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया अलग-अलग भाषाओं में यूट्यूब पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 2 मिलियन से ज्यादा लाइक्स पार कर लिए, जिससे इसकी जबरदस्त पॉपुलैरिटी साफ दिखती है। बुची बाबू सना के लिखे और निर्देशित पेड्डी में राम चरण टाइटल रोल में हैं। फिल्म में शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलारु द्वारा उनके बैनर वृद्धि सिनेमाज के तहत और माइथ्री मूवी मेकर्स के साथ मिलकर बनाई गई यह फिल्म 30 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली है।

प्रियंका चोपड़ा जोनस से लेकर समारा तिजोरी तक, इन अभिनेत्रियों ने किरदार के लिए कटवाए लंबे बाल

कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने अपने किरदार को पूरी सच्चाई के साथ निभाने के लिए अपने लंबे और घने बालों को अलविदा कह दिया। सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि लुक्स में भी बदलाव कर उन्होंने यह दिखाया कि वे अपने किरदार को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि उसे जीती हैं। छोटे बाल रखना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन इन अभिनेत्रियों ने बिना झिझक यह कदम उठाया और अपने रोल को और भी यादगार बना दिया। आइए नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर जिन्होंने शॉर्ट हेयर लुक को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाया।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

साल 2010 में फिल्म अंजाना अंजानी के लिए प्रियंका ने अपने लंबे बाल कटवाकर छोटा और ट्रेंडी हेयरकट अपनाया था। फिल्म में उन्होंने ह्यकियाराह्व का किरदार निभाया, और उनका यह लुक इतना पसंद किया गया कि आज भी लोग उसे याद करते हैं। उनका हेयरस्टाइल उस समय ट्रेंड बन गया था।

फातिमा सना शेख

फिल्म दंगल के लिए फातिमा सना शेख ने अपने बाल छोटे करवा लिए थे। बाल महिलाओं के लिए अक्सर भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं, लेकिन फातिमा ने किरदार की मांग को प्राथमिकता दी। उनका यह बदलाव फिल्म के साथ-साथ उनके करियर का भी एक अहम हिस्सा बन गया।

समारा तिजोरी

हाल ही में आई साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल में समारा तिजोरी ने अपने किरदार को असली बनाने के लिए बॉय-कट हेयरस्टाइल अपनाया। आमतौर पर फिल्मों में छोटे बाल दिखाने के लिए विग का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन समारा ने उल्टा किया कृ उन्होंने लंबे बालों के लिए विग पहनी और असल जिंदगी में पिक्सी कट रखकर सभी को चौंका दिया।

सान्या मल्होत्रा

दंगल में सान्या मल्होत्रा ने एक रेसलर का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्होंने बहुत छोटे और साधारण पिक्सी कट हेयरस्टाइल को अपनाया। बाद में सान्या ने बताया कि अपने घुंघराले बालों को वापस बढ़ाने में उन्हें काफी समय लगा।

अनुष्का शर्मा

फिल्म पीके में अनुष्का शर्मा का पिक्सी कट और फ्रिंज वाला लुक काफी अलग और नया था। यह उनका सबसे चर्चित और थोड़ा अलग अंदाज था। जहां लोग उन्हें लंबे वेवी बालों में देखना पसंद करते हैं, वहीं इस नए लुक में भी उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज जब कई अभिनेत्रियां ऐसे बदलाव करने से पहले कई बार सोचती हैं, इन अभिनेत्रियों ने बिना डर अपने किरदार के लिए यह बड़ा कदम उठाया। यही वजह है कि उनके ये रोल आज भी लोगों को याद हैं।

जेल या बेल? राजपाल यादव की जमानत याचिका पर कोर्ट का कड़ा रुख, कहा- कानून तो कानून है, फिर बहस क्यों?

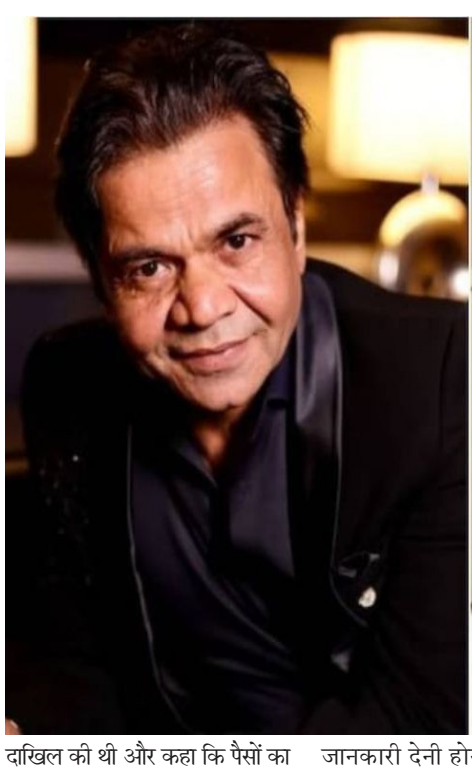

बॉलीवुड के जाने-माने कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों एक चेक बाउंस मामले को लेकर कानूनी पचड़े में फंसे हुए हैं। यह मामला करीब 9 करोड़ रुपये के कर्ज से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि तय समय पर राशि का भुगतान न होने के चलते मामला अदालत तक पहुंचा और बाद में सजा सुनाई गई। कर्जा चुका पाने में असमर्थ रहने पर राजपाल यादव ने तिहाड़ जेल अधिकारियों के समक्ष सरेंडर कर दिया था। 12 फरवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। तो आइए जानते हैं क्या कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया। आज दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान अदालत ने राजपाल यादव के रुख पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि जब उन्होंने पहले ही यह स्वीकार किया था कि उन्होंने धनराशि उधार ली थी और उसे लौटाने का आश्वासन दिया था, तो अब सजा पर रोक लगाने की मांग किस आधार पर की जा रही है। वहीं, राजपाल यादव के वकील ने अपना पक्ष रखते हुए कहा- हमने उसी डेट पर कहा था कि ये मामला सॉल्व करना चाहते हैं। राजपाल ने कोर्ट में कहे अपने शब्दों का मान रखने के लिए सरेंडर किया है। फिल्म में जो 5 करोड़ की रकम इंवेस्ट की थी, वो उसे चुकाना चाहते हैं। 3 करोड़ से ज्यादा की रकम दी जा चुकी है। आगे कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा-समझ नहीं आता ये बहस क्यों हो रही है? आपने याचिका दाखिल की थी और कहा कि पैसों का भुगतान करेंगे। फिर सालों तक आपने पेमेंट नहीं की। आदेश तोड़े की वजह से आपको सरेंडर करना पड़ा। आप पिछला ऑर्डर देखो। मैं इस मामले में हस्तक्षेप करने की कोई वजह नहीं देखता हूं। आप मीडिएशन सेंटर गए। वहां भुगतान करने का वादा किया। आपको 25-30 मौके दिए गए। अब आप इस केस को दोबारा खोलना चाहते हैं? आपको पैसे देने में देरी क्यों हुई, इसकी जानकारी देनी होगी। मुझे आपसे सहानुभूति हो सकती है लेकिन कानून तो कानून है। फिर अपनी दलील रखते हुए राजपाल यादव के वकील ने कहा- याचिकाकर्ता को 2.10 करोड़ रुपये जमा करने हैं। हमें फिल्म इंडस्ट्री और पब्लिक से मदद मिल रही है।

इस पर हाईकोर्ट ने कहा- इसका किसी भी बात से क्या लेना देना है? 25 बार आपने कहा कि ये कर्ज है। अगर ये अमाउंट जमा करने को तैयार हैं तो आगे सुनवाई जारी रखेंगे। आगे राजपाल के वकील ने कहा कि हम कोर्ट में बतौर सिक्योरिटी अमाउंट जमा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन राजपाल के परिवार में शादी है, इसलिए हमें जमानत चाहिए। दरअसल, ये मामला 2012 में आई एक्टर की फिल्म अता पता लापता से जुड़ा है। इस मूवी के लिए राजपाल ने 2010 में दिल्ली के एक बिजनेसमैन से 5 करोड़ का लोन लिया था।

6 से 7 महीने की रिसर्च के बाद बनी है द केरल स्टोरी 2, विपुल शाह ने बताई तैयारी की पूरी कहानी

विपुल अमृतलाल शाह इंडियन सिनेमा के जाने-माने फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने सालों में कई ऐसी फिल्में दी हैं जो कल्ट भी बनीं और जिनका जबरदस्त असर भी रहा। द केरल स्टोरी के साथ उन्होंने एक बेखौफ कहानी दिखाई, जिसने फिल्म को बड़ी सफलता दिलाई और देशभर में बहस छेड़ दी। फिल्म ने एक ऐसे असली मुद्दे पर बात की, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। अब शाह इसी कहानी को आगे बढ़ाते हुए द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड लेकर आ रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुआ टीजर डर, गुस्से और कड़वी सच्चाई का स्ट्रॉन्ग मिक्स दिखाता है और साफ इशारा करता है कि इस बार कहानी और ज्यादा पावरफुल और लेयर्ड होने वाली है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारतीय लीगल सिस्टम में दर्ज असली घटनाओं से इंस्पायर्ड है, जिन्हें एक ग्रिपिंग सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि टीम ने कई महीनों तक डिटेल रिसर्च की, ताकि जो सच्चाई दिखाई जा रही है, वो ऑथेंटिक और फैक्ट्स पर बेस्ड हो। विपुल शाह ने बताया कि जहां पहली फिल्म में भारतीय लड़कियों को आईएसआईएस में कट्टरपंथ की ओर धकेले जाने की कहानी दिखाई गई थी, वहीं द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड भारत के भीतर हो रहे शोषण पर फोकस करती है। यह फिल्म तीन अहम कहानियों पर आधारित है।

बिग बॉस 14 फेम निक्की तंबोली के नाम पर धोखाधड़ी

फैंस और करीबी लोगों को किया अलर्ट; कहा- यह एक स्कैम

बिग बॉस 14 के जरिए टीवी और साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस निक्की तंबोली चर्चा में आईं। इन दिनों वह शो द 50 में नजर आ रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने नाम पर हो रहे एक स्कैम को लेकर करीबी लोगों और फैंस को सचेत किया है। निक्की तंबोली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए फैंस, करीबी लोगों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को सचेत किया है। उन्होंने बताया है कि कोई उनके नाम पर स्कैम करने की कोशिश कर रहा है। इस व्यक्ति के बारे में निक्की ने जानकारी भी सोशल मीडिया पर साझा की है। जानिए, निक्की ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा? निक्की तंबोली ने फेक नंबर का जिक्र किया निक्की तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए एक नंबर और चैट शेयर की। जिसमें एक अनजान नंबर से उनके करीबी लोगों से कॉन्टैक्ट किया जा रहा है। इस पोस्ट के साथ निक्की लिखती हैं, ह्यकोई मेरा नाम और तस्वीर इस्तेमाल करके फेक नंबर से लोगों को मैसेज कर रहा है। यह मैं नहीं हूं। प्लीज इस शख्स को अहमियत ना दें। रिप्लाई ना करें। यह स्कैम हो सकता है। कृपया इस नंबर को रिपोर्ट करें, ब्लॉक करें। 'द 50' रियलिटी शो में नजर आईं निक्की तंबोली हाल ही में शुरू हुए रियलिटी शो द 50 में निक्की तंबोली और उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी नजर आए। यह दोनों काफी समय से डेट कर रहे हैं। अरबाज पटेल को आखिरी बार शो 'राइज एंड फॉल' में देखा गया था। वहीं निक्की को शो सेलिब्रिटी मास्टर शेफ में देखा गया था।

शिवपाल यादव के तीखे तेवर, बोले-लूटने के लिए पेश हुआ यूपी का बजट

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का चौथा दिन पूरी तरह से शिवपाल सिंह यादव के नाम रहा। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता शिवपाल यादव ने योगी सरकार के बजट पर तीखा प्रहार करते हुए इसे विकास का नहीं, बल्कि प्रदेश को लूटने का जरिया करार दिया। उन्होंने बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कई गंभीर सवाल खड़े किए। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान शिवपाल यादव ने युवाओं की दुखती रग पर हाथ रखा। उन्होंने सदन में कहा कि सरकार ने बजट तो पेश कर दिया, लेकिन इसमें नौकरियों के सृजन का कोई साफ रास्ता नहीं है। शिवपाल ने दावा किया कि मौजूदा सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और यह विशाल बजट जनता के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि आपसी बंदरबांट के लिए है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी के पास अब कोई ठोस काम नहीं बचा है, वे केवल लोगों को आपस में लड़ाकर राजनीति कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल गरमा गया था। सपा और कांग्रेस के विधायकों ने हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। विपक्ष का साझा आरोप है कि बजट में किसानों की आय और गरीबों की थाली के लिए कुछ नहीं है। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के नाम पर केवल दिखावा किया गया है।

चुनाव से ठीक पहले हिंदू युवक की हत्या, चाय बागान में मिली खून से लथपथ लाश

ढाका। बांग्लादेश के मौलवीबाजार में चुनाव से एक दिन पहले 28 वर्षीय हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। उसकी लाश हाथ-पैर बंधी हालत में चाय बागान से मिली। शरीर पर कई चोट के निशान थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला मौलवीबाजार जिले से सामने आया है, जहां आम चुनाव से महज एक दिन पहले एक 28 वर्षीय हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। युवक का शव मिलने के बाद से इलाके मे तनाव का माहौल है। इस घटना ने वहां के अल्पसंख्यक समुदायों में डर और चिंता बढ़ा दी है। मृतक की पहचान रतन शुवो कर के रूप में हुई है। वह इस्लामपुर यूनियन के चंपारा चाय बागान में काम करता था। पुलिस को उसकी लाश हाथ-पैर बंधी हुई हालत में मिली। स्थानीय मीडिया के

अनुसार, रतन के शरीर पर चोट के कई निशान थे और वह खून से लथपथ था। घटना पर लोगों का क्या है कहना? बांग्लादेश के जाने-माने अखबार, द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लोकल लोगों ने बुधवार सुबह करीब 10:00 बजे चाय बागान के अंदर उसकी लाश देखी, जहां कर काम करता था। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। रतन के साथ काम करने वाले लोगों का आरोप है कि उसे किसी दूसरी जगह मारा गया और फिर लाश को बागान में फेंक दिया गया। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। क्या बोला परिवार? रतन के बड़े भाई लक्ष्मण कर ने बताया कि रतन मंगलवार रात से घर नहीं लौटा था। परिवार पूरी रात उसे तलाशता रहा। सुबह उन्हें बागान में लाश मिलने की खबर मिली। परिवार का कहना है कि उन्हें हत्या की वजह समझ नहीं आ रही है। बांग्लादेश में इस समय चुनाव का माहौल है और राजनीतिक तनाव बना हुआ है। कुछ स्थानीय लोगों को शक है कि यह हत्या चुनाव से जुड़ी हो सकती है। पुलिस ने अभी इस बारे में कुछ भी साफ नहीं कहा है। अधिकारियों ने बताया कि मौत की असली वजह जानने के लिए लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच में जुटी पुलिस फिलहाल पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस हत्या का चुनाव से कोई लेना-देना है या इसके पीछे कोई और कारण है। इस घटना के बाद से इलाके में सुरक्षा और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। मानव अधिकार संगठन का क्या है कहना? लगातार हो रही घटनाओं पर मानव अधिकार संगठन का कहना है कि हिंसा का स्तर चिंताजनक है। ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी (एचआरएसएस) के मुताबिक, पिछले 17 महीनों में पॉलिटिकल हिंसा में कम से कम 195 लोग मारे गए और 11,229 घायल हुए। इनमें से लगभग आधी घटनाएं बीएनपी और उससे जुड़ी संस्थाओं के अंदरूनी झगड़ों की वजह से हुईं, जिनमें 121 मौतें हुईं और 7,131 घायल हुए। एक और राइट्स ग्रुप, ओधिकार ने इससे भी ज्यादा संख्या बताई, जिसमें कहा गया कि नौ अगस्त, 2024 और 31 दिसंबर, 2025 के बीच राजनीतिक हिंसा में 328 लोग मारे गए और 9,182 घायल हुए।

फाइट क्लब बनी तुर्किये की संसद; न्याय मंत्री की नियुक्ति पर सांसदों में चले लात-घूंसे

अंकारा। तुर्किये की संसद में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ और सत्ताधारी दल और विपक्षी सांसद आपस में भिड़ गए। दोनों तरफ से

जमकर लात-घूंसे चले। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। आइए जानते हैं कि हंगामे की वजह क्या रही और क्या पूरा मामला है। तुर्किये की संसद बुधवार को जंग का मैदान बन गई और सत्ता और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर लात घूंसे चले। दरअसल कैबिनेट में बदलाव के तहत न्याय मंत्री के पद पर एकिन गुरलेक को शपथ दिलाई जा रही थी, जिसका विपक्षी पार्टियों द्वारा विरोध किया जा रहा था। विपक्षी सांसदों ने एकिन गुरलेक को शपथ लेने से रोकने की कोशिश की, जिस पर सत्ताधारी पार्टी एके के सांसद और विपक्षी सांसदों में बहस होने लगी। थोड़ी ही देर में यह बहस हिंसक हो गई और सांसदों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। हमले के दौरान जमकर लात घूंसे चले और खूब धक्का मुक्की हुई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। तुर्किये की संसद में क्यों हुआ हंगामा? एकिन गुरलेक एक विवादित व्यक्ति हैं और उन्हें राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का करीबी माना जाता है। आरोप है कि गुरलेक ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ हाई प्रोफाइल ट्रायल्स की सुनवाई की है। हालांकि विपक्ष का मानना है कि गुरलेक के फैसले राजनीति से प्रभावित थे। लड़ाई झगड़े के बाद संसद की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। हालांकि सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद एकिन गुरलेक ने विपक्षी विरोध के बावजूद न्याय मंत्री पद की शपथ ली। गौरतलब है कि गुरलेक ने ही इस्तांबुल के मेयर और राष्ट्रपति एर्दोगन के सबसे बड़े विरोधी इमामोग्लू के खिलाफ गुरलेक ने ही अभियोग दायर किया था। इमामोग्लू पर भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से जुड़े 142 अपराधों का आरोप लगाया गया। इन आरोपों में इमामोग्लू को 2000 साल से अधिक की सजा हो सकती है। इमामोग्लू के समर्थकों का दावा है कि उन पर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। हालांकि सरकार इन आरोपों को खारिज करती है।

चुनाव: बांग्लादेश में 18 करोड़ लोगों की सरकार का दावा, जमात चीफ शफीकुर रहमान ने जताई जीत की उम्मीद

ढाका। बांग्लादेश में जारी चुनावी माहौल के बीच जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि देश में ऐसी

सरकार बनेगी जो 18 करोड़ लोगों की होगी, न कि किसी एक व्यक्ति या परिवार की। बांग्लादेश चुनाव 2026 के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है। कट्टरपंथी इस्लामी दल जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने गुरुवार को मतदान करने के बाद दावा किया कि यदि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न होते हैं, तो उनकी पार्टी जनादेश के आधार पर सत्ता हासिल कर सकती है। ढाका के मोनीपुर हाई स्कूल और कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद रहमान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे देश में ऐसी सरकार की उम्मीद करते हैं जो किसी व्यक्ति, परिवार या खास पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश के 18 करोड़ नागरिकों की सरकार हो। जनता का फैसला सभी को मानना चाहिए स्थानीय अखबार द डेली स्टार के अनुसार, शफीकुर रहमान ने कहा अगर वोटिंग स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होती है, तो हम परिणाम स्वीकार करेंगे। दूसरों को भी जनता का फैसला मानना चाहिए। उन्होंने यह भी प्रार्थना की कि चुनाव शांतिपूर्ण, हिंसा रहित और सभी पक्षों को स्वीकार्य हो। उनका कहना था कि देश को ऐसी सरकार की जरूरत है जो राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बने। वोटरों को 15,000 टका देने का आरोप हालांकि, चुनावी माहौल के बीच जमात-ए-इस्लामी पर गंभीर आरोप भी लगे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पार्टी से जुड़े लोगों ने मतदाताओं को कथित रूप से 15,000 बांग्लादेशी टका देने का प्रस्ताव रखा। रिपोर्ट्स के अनुसार, देशभर में ऐसे पर्चे बांटे गए जिनमें दावा किया गया कि जो परिवार पार्टी को वोट देंगे, उनकी अगली जिंदगी पाप मुक्त होगी और उन्हें गंभीर सजा से मुक्ति मिलेगी। कैमरा फोन से सबूत मांगने का विवाद एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि मतदाताओं से मतदान केंद्र पर कैमरा फोन लाने और बैलेट पेपर पर पार्टी के चुनाव चिह्न दारी पल्ला (तराजू) पर मुहर लगाने के बाद उसकी तस्वीर लेने को कहा गया। पर्चे में यह भी उल्लेख था कि चुनाव परिणाम आने के बाद वोटरों को बीकैश एप या नकद माध्यम से 15,000 टका भेजे जाएंगे और कुछ अग्रिम भुगतान का भी वादा किया गया था। इन आरोपों के बाद बांग्लादेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों और चुनाव पर्यवेक्षकों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व चीफ बाजवा आईसीयू में भर्ती, फिसलकर गिरे सिर में लगी गंभीर चोट

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के पूर्व प्रमुख कमर जावेद बाजवा अपने घर में ही फिसलकर गिरने के कारण गंभीर रूप से चोटिल हो गए हैं और उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। कमर जावेद बाजवा पाकिस्तानी सेना के 10वें प्रमुख रहे थे। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो घर में फिसलकर गिर गए थे और उन्हें काफी चोट आई थी। पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया हाउस डॉन ने बताया कि बाजवा अपने घर में फिसल गए थे और काफी चोट आई थी। उन्हें इलाज के लिए कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया गया और बताया जा रहा है कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। रिश्तेदार बोले- पूर्व जनरल की

हालत खतरे से बाहर पाकिस्तानी सेना के पूर्व अध्यक्ष को अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी चोटें कितनी गहरी हैं इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। वहीं, उनके परिजनों के मुताबिक, वो खतरे से बाहर हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो मैसेज में, पूर्व आर्मी चीफ के रिश्तेदार, नईम घुम्मन ने बताया कि बाजवा नंगे पैर थे जब वह फिसले और उनके सिर में चोट लगी। उन्होंने आगे कहा कि उनके सभी जरूरी टेस्ट किए गए। नतीजे सकारात्मक हैं और फिक्र की कोई बात नहीं है। पाकिस्तानी सेना के 10वें जनरल रहे कमर जावेद बाजवा 65 साल के बाजवा ने 29 नवंबर, 2016 से 29 नवंबर, 2022 तक पाकिस्तान के 10वें आर्मी चीफ के तौर पर काम किया। 2019 में उनके कार्यकाल को बढ़ाया गया था। 2022 के आखिर में रिटायर होने के बाद से, बाजवा खबरों में कम ही रहे हैं। उन्होंने 10 कोर में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर रहते हुए जनरल स्टाफ ऑफिसर (जीएसओ) के रूप में भी जिम्मेदारियां निभाईं। बाजवा इंफैंट्री की बलोच रेजिमेंट से हैं। अपने सैन्य करियर के दौरान जनरल बाजवा संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन के तहत कांगो में ब्रिगेड कमांडर के रूप में तैनात रहे। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो इन दिनों जेल में हैं, कभी बाजवा के काफी करीबी माने जाते थे। लेकिन फिर दोनों में दूरी बढ़ गई। खान के मुताबिक उन पर लगे कई आरोपों के पीछे जनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद हैं। 2024 में डॉन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान ने एक साक्षात्कार में दावा किया था कि बाजवा पर भरोसा करना उनकी सबसे बड़ी भूल थी। इमरान ने पूर्व सेना प्रमुख पर सैन्य प्रमुख के रूप में दूसरा विस्तार पाने के लिए उनके बारे में 'कहानियां' फैलाने का आरोप लगाया था।

क्या उत्तर कोरिया में बदलेगी सत्ता: किम जोंग की बेटी होंगी नई तानाशाह ? पड़ोसी देश की खुफिया एजेंसी का खुलासा

प्योंगयांग (उत्तर कोरिया)। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी एनआईएस ने खुलासा किया है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ को उत्तराधिकारी बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। जानिए उत्तर कोरिया की सत्ता में क्या बदलने वाला ह उत्तर कोरिया की सत्ता में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (ठकर) ने खुलासा किया है कि तानाशाह किम जोंग उन अपनी बेटी किम जू ऐ उत्तराधिकारी के रूप में नामित करने की प्रक्रिया में काफी आगे बढ़ चुके हैं। गुरुवार को संसद की एक बंद कमरे की ब्रीफिंग में दी गई जानकारी के अनुसार, अब किम जू ऐ उत्तराधिकारी प्रशिक्षण से आगे बढ़कर उत्तराधिकारी के रूप में नामित होने के चरण में पहुंच चुकी हैं। भाषा में बदलाव, संकेत मजबूत एनआईएस के मुताबिक, पहले सरकारी

हलकों में किम जू ऐ को केवल ह्यप्रशिक्षण मेंह्व बताया जाता था, लेकिन अब आधिकारिक भाषा में बदलाव आया है। यह संकेत देता है कि उत्तराधिकार की योजना अधिक संगठित और ठोस रूप ले चुकी है। सांसद ली सियोंग-क्वेउन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि किम जू ऐ पिछले दो वर्षों में कई अहम सैन्य और प्रतीकात्मक कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। इनमें कोरियन पीपुल्स आर्मी की वर्षगांठ, कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन का दौरा और वायु सेना दिवस समारोह शामिल हैं। सैन्य कार्यक्रमों में प्रमुख उपस्थिति सरकारी मीडिया में किम जू ऐ को इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) परीक्षण, सैन्य परेड और रक्षा अधिकारियों की बैठकों में प्रमुख स्थान पर दिखाया गया है। वह अक्सर अपने पिता के ठीक बगल में खड़ी नजर आती हैं, जो सत्ता हस्तांतरण की तैयारी का प्रतीक माना जा रहा है। एनआईएस का आकलन है कि किम जू ऐ अब डी फैक्टो दूसरे सबसे उच्च पद पर हैं और नीतिगत मामलों पर अपनी राय भी दे रही हैं। रहस्यमय परिवार यह तो स्पष्ट है कि किम जू ऐ उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता और वर्कर्स पार्टी के महासचिव किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल-जू की बेटी हैं। जू ऐ का जन्म किस तिथि और किस वर्ष में हुआ, इसका रहस्य अब तक बरकरार है। उनकी उम्र बारह या तेरह वर्ष है। चालीस साल से अधिक के हो चुके खुद किम जोंग उन की जन्म की तारीख और सन का अब तक कोई पता नहीं लगा पाया है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी भी कयास ही लगाती रही। अमेरिका के दिग्गज बास्केटबाल खिलाड़ी डेनिस रोडमैन वर्ष 2013 में किम जोंग उन के परिवार से मिले थे। उन्होंने ही पहली बार यह बात सार्वजनिक की थी कि किम जोंग उन का एक बेटा व एक बेटी है। बताया जाता है जू ऐ अपने भाई से छोटी हैं, उनसे छोटी एक बहन भी है। हालांकि, वह बहन है या भाई, यह भी पक्का नहीं। चौथी पीढ़ी वर्ष 1948 में जब उत्तर कोरिया का गठन हुआ, तो सबसे पहले इस देश की कमान किम इल सुंग ने संभाली और 1994 तक नेतृत्व किया। किम इल सुंग की छह संतानों में सबसे बड़े किम जोंग इल उत्तर कोरिया के दूसरे सर्वोच्च नेता बने। किम जोंग इल की तीसरी शादी से दूसरे नंबर के बेटे किम जोंग उन 2011 में पिता के निधन के बाद उत्तर कोरिया के सर्वेसर्वा बन गए। किम जोंग उन का 2009-10 में री सोल-जू से विवाह हुआ। किम और सोल-जू की तीन संतानों में किम जू ऐ दूसरे नंबर की हैं। बताते हैं कि तानाशाह किम जोंग उन अपनी बेटी जू ऐ को बेहद पसंद करते हैं और उसकी नेतृत्व क्षमता से भी खासे प्रभावित हैं। किम जोंग उन के सौतेले भाई-बहनों में भी अनबन चलती है। इस वजह से वह अपनी बेटी को पहले ही राजनीति के सभी दांवपेच सिखा देना चाहते हैं। घुड़सवारी, स्कीइंग और तैराकी का शौक बताया जाता है कि जू ऐ को स्कीइंग और तैराकी का शौक है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का आतंक जारी, आम लोग बन रहे शिकार चार अन्य बलूच नागरिकों की हत्या

क्वेटा। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का आतंक जारी है, जिसका शिकार आम लोग बन रहे है। इसी बीच मानवाधिकार संगठनों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने शिकार पजीर बलूच और करीम जान समेत चार लोगों को बिना कानूनी प्रक्रिया के मार डाला। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और बलूच लड़ाके के बीच लगातार हिंसक तनाव बढ़ रहा है। हाल ही में पाकिस्तानी सेना ने इलाके में टैंक तैनात कर दिए हैं। वहीं, आम लोगों के खिलाफ हिंसा भी लगातार बढ़ रही है। बड़े मानवाधिकार संगठनों ने बताया कि प्रांत में पाकिस्तानी सेना ने बिना कानूनी प्रक्रिया के चार लोगों की हत्या की है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग पांक ने बताया कि 32 साल के पजीर बलूच का शव 7 फरवरी को मिला। उसे 25 नवंबर, 2025 को पंजगुर जिले के वाशबुड इलाके से पाकिस्तान समर्थित डेथ स्क्वाड ने अगवा किया था। मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने कहा कि पजीर के शरीर पर टॉर्चर के निशान अमानवीय क्रूरता दिखाते हैं। करीम जान की हत्या 35 साल के ड्राइवर करीम जान को 3 जनवरी को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस ने अगवा किया था। करीब एक महीने तक हिरासत में रखने के बाद 1 फरवरी को पंजगुर के बालगाथर इलाके में उसकी लाश मिली। बीवाईसी ने कहा कि यह मामला उन बलूच लोगों की बढ़ती सूची में शामिल है, जिन्हें बिना किसी जवाबदेही के मार दिया गया। अन्य हत्या और अगवा करने की घटनाएं 20 साल के मजदूर मलंग बलूच को 29 जनवरी को वाशबुड इलाके से गायब किया गया और पाकिस्तान समर्थित हथियारबंद समूह ने मार डाला। 44 साल के किसान मुहम्मद अनवर बलूच को 4 जून, 2025 को सीटीडी ने हिरासत में लिया था। महीनों बाद 4 जनवरी को उनका शव मिला। बीवाईसी ने कहा कि आज बलूचिस्तान में कोई भी सुरक्षित नहीं है, न मजदूर, न किसान, यहां तक कि मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले भी। पाकिस्तानी सरकार ने इलाके को मिलिट्री जोन बना दिया है, जहां कानून की जगह दमन चलता है। मानवाधिकार की चिंता बीवाईसी ने जोर देकर कहा कि इन हत्याओं और गायब करने की घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी इन अपराधों को बढ़ावा देती है, और बलूच परिवार न्याय और जवाबदेही से दूर रह जाते हैं।

ट्रंप के ही खिलाफ हुए उनकी पार्टी के सांसद टैरिफ के मुद्दे पर डेमोक्रेट के प्रस्ताव को दिया समर्थन

नई दिल्ली। अपनी टैरिफ नीति को लेकर ट्रंप अब घर में घिरते नजर आ रहे हैं। डेमोक्रेट पार्टी द्वारा तो ट्रंप का विरोध हो ही रहा है, अब ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी ने भी विरोध शुरू कर दिया है। कनाडा पर लगे टैरिफ हटाने के लिए अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसे सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी ने भी समर्थन दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति अपने मनमाने फैसलों के चलते अब अपनी ही पार्टी का समर्थन खोते नजर आ रहे हैं। कनाडा पर लगाए गए टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव लाया गया। इस प्रस्ताव में कनाडा पर लगे टैरिफ को हटाने की मांग की गई। हैरानी की बात ये है कि डेमोक्रेट सांसदों द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव को सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी समर्थन दिया। प्रस्ताव को राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी जरूरी बुधवार को अमेरिकी संसद में कनाडा

पर लगे टैरिफ हटाने की मांग वाले प्रस्ताव पर मतदान हुआ। 211 के मुकाबले 219 मतों से यह प्रस्ताव पारित हो गया। अब यह प्रस्ताव सीनेट में जाएगा। हालांकि इस प्रस्ताव के पारित होने की आशंका कम ही है क्योंकि इसे राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलनी भी जरूरी है और इसकी संभावना न के बराबर है। ट्रंप का मानना है कि टैरिफ लगाकर अमेरिका अपने व्यापार सहयोगी देशों को बातचीत की मेज पर ला सकता है।

कंबोडिया में फर्जी पुलिस थाने का पदार्फाश गांधी आंबेडकर की फोटो लगाकर भारतीयों को बनाते थे शिकार

फोनों पेन्ह। कंबोडिया में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के दौरान एक फर्जी पुलिस स्टेशन का पदार्फाश हुआ है। जहां गांधी और आंबेडकर की फोटो लगाकर एक नकली भारतीय पुलिस थाना बनाया गया था। इस फर्जी पुलिस के जरिए पीड़ितों को डिजिटल अरेस्ट किया जाता था। कंबोडिया में अधिकारियों ने धोखाधड़ी केंद्रों पर कार्रवाई के दौरान एक फर्जी पुलिस स्टेशन का पदार्फाश किया है, जिसमें गांधी और आंबेडकर की तस्वीर लगी हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, इसका इस्तेमाल भारतीयों को 'डिजिटल अरेस्ट' करने के लिए किया जा रहा था। धोखाधड़ी के खिलाफ कार्रवाई में 200 केंद्र पर लगे ताले मामले में एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि कंबोडिया ने हाल के हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी पर नकेल कसने के अभियान में लगभग 200 घोटाले के केंद्रों को बंद किया है। वहीं इस दौरान 173 वरिष्ठ आपराधिक सरगनाओं को गिरफ्तार किया गया है और 11,000 श्रमिकों को निर्वासित किया गया है। लोगों को फंसाने के लिए बने थे फोन स्टूडियो और ऑफिस वियतनाम सीमा के पास कंपोट में मौजूद एक बड़े ऑफिस परिसर में, पत्रकारों को बड़े-बड़े ऐसे कमरे दिखाए गए जिनमें कंप्यूटर स्टेशनों की कतारें और डेस्क थे, वहां बड़े पैमाने पर पीड़ितों को धोखा देने के तरीके बताने वाले दस्तावेज पड़े हुए थे, इसके साथ ही फोन कॉल के लिए स्टूडियो बूथ और एक नकली भारतीय पुलिस स्टेशन भी दिखाया गया। पुलिस कर्मियों से ज्यादा थी कर्मचारी की संख्या अधिकारियों ने बताया कि कंपोट में मौजूद माय कैसीनो परिसर के अंदर कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। कथित मालिक और कारोबारी ली कुओंग की गिरफ्तारी के बाद कर्मचारी भाग गए। मामले में एक वरिष्ठ पुलिस ने बताया कि उनके पर्याप्त पुलिसकर्मी नहीं थे, इस वजह से वे लोग कर्मचारियों को गिरफ्तार नहीं कर सके।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।